राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार,28 अप्रैल–2023 वर्ष–6,अंक–93 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रधानमंत्री मोदी आज दमोह को देंगे एफएम की सौगात

भोपाल। मप्र के दमोह को एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। यहां दशकों से आकाशवाणी की मांग की जा रही थी, जो अब पूरी होने जा रही है। क्षेत्रीय सांसद एवं भारत सरकार के जल शक्ति एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्यमंत्री प्रह्लाद पटेल के विशेष प्रयास से यह संभव हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 अप्रैल को प्रातः 11.00 वर्चुअल माध्यम से दमोह के एफएम स्टेशन का लोकार्पण करेंगे। केन्द्रीय राज्यमंत्री प्रहलाद पटेल की मौजूदगी में स्थानीय दूरदर्शन कार्यालय में समारोह का आयोजन किया गया है। दमोह में एफएम रेडियो स्टेशन की सौगात मिलने की सूचना से क्षेत्र के लोगों में हर्ष है। दूरदर्शन के अधिकारी अनिल लखेरा ने बताया कि शुक्रवार प्रातः 10.30 बजे दमोह जिला मुख्यालय के दूरदर्शन कार्यालय सर्किट हाउस के समीप कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। पूर्वाह्न 11 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दिल्ली से संबोधित करेंगे, जिसका सीधा प्रसारण कार्यक्रम स्थल पर होगा। दमोह जिला मुख्यालय पर आयोजित उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री प्रह्लाद पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग खुला

जम्मू। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग गुरुवार को छोटे वाहनों की आवाजाही के लिए दोनों तरफ से खोला गया है। बड़े वाहनों को केवल एकतरफा यातायात की अनुमति दी गई है। वहीं, मुगल मार्ग को भी साफ करने का कार्य जारी है और जल्द ही इस मार्ग को वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया जाएगा।

16 साल बाद जेल से रिहा हुए बाहुबली आनंद मोहन, चुनाव लड़ेंगे या कुछ और है प्लान ?

बाहुबली आनंद मोहन की जेल से रिहाई की टाइमिंग अपने आप में बहुत कुछ कह रही है। वे अब फिर से राजनीति में अपना दमखम दिखाने के लिए तैयार हैं। चर्चा है कि उन्होंने 2024 में चुनाव लड़ने की प्लानिंग की है।

पटना। बिहार के बाहुबली नेता आनंद मोहन सिंह करीब 16 साल बाद जेल से रिहा हो गए हैं। गोपालगंज के डीएम जी कृष्णैय्या की हत्या के मामले में उन्हें उम्रकैद हुई थी। हाल ही में नीतीश सरकार ने जेल नियमों में बदलाव कर उनकी रिहाई का आदेश जारी किया था। जेल से निकलने के बाद आनंद मोहन के सक्रिय राजनीति में आने की चर्चा है। 2024 में उनके चुनाव लड़ने की अटकलें भी लगाई जा रही हैं। हालांकि अभी तक उन्होंने इस बारे में कोई खुलासा नहीं किया है। शिवहर से पूर्व सांसद आनंद मोहन के बेटे चेतन की 3 मई को शादी है। वह देहरादून में डॉक्टर आयुषी सिंह के साथ सात फेरे लेंगे। चेतन आनंद अभी शिवहर से आरजेडी के विधायक हैं। 24 अप्रैल को चेतन और आयुषी की रिंग सेरेमनी थी। पटना में हुए इस समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी शामिल हुए थे। जेल से रिहाई के बाद आनंद मोहन अपने बेटे की शादी की तैयारियों में जुटेंगे। इसके बाद आगे की रणनीति बनाएंगे।

आनंद मोहन 2024 में लड़ेंगे चुनाव?

बाहुबली आनंद मोहन की जेल से रिहाई की टाइमिंग अपने आप में बहुत कुछ कह रही है। वे अब फिर से राजनीति में अपना दमखम दिखाने के लिए तैयार हैं। चर्चा है कि आनंद मोहन ने 2024 में लोकसभा का चुनाव लड़ने की प्लानिंग कर दी है। कोसी क्षेत्र में उनका खासा प्रभाव है। सवर्ण और खासकर राजपूत वोटबैंक पर उनकी अच्छी पकड़ है। ऐसे में वे आगामी आम चुनाव में बड़ा फैक्टर साबित हो सकते हैं।

आरजेडी-जेडीयू में जाएंगे या अलग पार्टी बनाएंगे?

दो दिन पहले मीडिया से बातचीत में आनंद मोहन से उनकी अगली रणनीति के बारे में सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि वे जेल से छूटकर अपने साथियों से मुलाकात करेंगे। उनकी राय लेने के बाद ही आगे का फैसला करेंगे। हालांकि, इस दौरान उन्होंने चुनावी राजनीति में जाने के संकेत जरूर दिए। कयास लगाए जा रहे हैं कि आनंद मोहन नीतीश कुमार की जेडीयू या लालू यादव की आरजेडी में शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा उनके द्वारा नई पार्टी बनाने की भी चर्चा हो रही है। जब आनंद मोहन से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह अपने साथियों से बात करके इस पर फैसला लेंगे।

आनंद मोहन पर मेहरबान महागठबंधन सरकार

बाहुबली आनंद मोहन की रिहाई में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार की अहम भूमिका है। राज्य सरकार ने कारा नियमों में बदलाव किया, जिसके बाद ही उनकी रिहाई हो पाई है। आनंद मोहन इसे लेकर सीएम नीतीश का आभार भी जता चुके हैं। राजनीतिक जानकारों की मानें तो 2024 में राजपूत वोटरों को महागठबंधन के पक्ष में एकजुट करने पर नीतीश और तेजस्वी की नजर टिकी है। आनंद मोहन की रिहाई इसी रणनीति का हिस्सा है। बिहार में राजपूत आबादी करीब 5.2 फीसदी है। आनंद मोहन की राजपूत समाज में अच्छी पकड़ है। भले ही वे बाहुबली हैं लेकिन उन्हें रिहा करने से राजपूत वोटरों के बीच सहानुभूति फैक्टर काम कर सकता है। ऐसे में अगर आनंद मोहन महागठबंधन में रहकर चुनाव लड़ते हैं तो इसका फायदा जेडीयू-आरजेडी को मिलना लाजमी है।

'शरद पवार के खिलाफ एक ट्वीट करके दिखाएं',

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने राहुल गांधी को दी चुनौती

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार के खिलाफ ट्वीट करने की चुनौती दी है। सरमा ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा, राहुल गांधी ने ट्वीट किया कि हम अदाणी के दोस्त हैं। मैं उन्हें जानता भी नहीं हूं। पूर्वोत्तर के लोगों को अदाणी, अंबानी, टाटा तक पहुंचने में थोड़ा समय लगेगा। जो भी हो... हम वहां पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, क्या राहुल गांधी में हिम्मत है। मैं चुनौती देता हूं, शरद पवार के खिलाफ ट्वीट करने के लिए यह पूछने के लिए कि अदाणी के साथ पवारजी का क्या संबंध है? तो यह सुविधा की राजनीति है।

जब अदाणी शरद पवार से मिलते हैं तो राहुल क्यों नहीं करते ट्वीट

असम के सीएम ने कहा, आप बीजेपी और अदाणी पर कुछ ट्वीट करते हैं, लेकिन जब गौतम अदाणी शरद पवार के घर जाते हैं और 2-3 घंटे बिताते हैं, तो राहुल गांधी ट्वीट क्यों नहीं करते? मुझे शरद पवार से अदाणी जी से मिलने में कोई दिक्कत नहीं है।

सरमा ने राहुल के खिलाफ मानहानि का मुकदमा करने की दी चेतावनी

राहुल गांधी ने हाल ही के एक ट्वीट में हिमंत बिस्वा सरमा, गुलाम नबी आजाद सहित कुछ पूर्व कांग्रेसियों के नाम का जिक्र किया और उन्हें अदाणी से जोड़ते हुए लिखा, वे सच्चाई छिपाते हैं, इसलिए वे हर रोज गुमराह करते हैं। हिमंत बिस्वा सरमा ने ट्वीट के लिए राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा करने की चेतावनी दी।

गर्मी से अभी मिलती रहेगी राहत, कब तक होगी झमाझम बारिश? मौसम विभाग ने बताया

नई दिल्ली। पाकिस्तान और आसपास के आसमान में एक पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम की स्थिति अभी सामान्य बनी रहेगी। इसके प्रभाव में देश के कई हिस्सों में अभी बारिश के आसार बनते दिख रहे हैं। मौसम विभाग के ताजा अपडेट्स के मुताबिक, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अगले पांच दिनों तक बारिश होने की संभावना है। आज इन दोनों राज्यों के कुछ इलाकों में ओले भी गिर सकते हैं। वहीं, दक्षिण भारत में भी बारिश को लेकर पूर्वानुमान है। आईएमडी के मुताबिक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल में आज से अगले पांच दिनों तक बारिश के आसार हैं। केरल में 30 अप्रैल तक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। तेलंगाना में आज ओले गिरने की भी संभावना है।

अब बात पूर्वी भारत की, जहां 28 अप्रैल तक बारिश और ओलावृष्टि का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग ने बताया है कि अगले चार दिनों तक अलग-अलग जगहों में बादल बरस सकते हैं। इसके कारण तापमान में कमी दर्ज की जा सकती है। वहीं, पूर्वोत्तर के राज्यों में भी अगले पांच दिनों के लिए बारिश का पूर्वानुमान लगाया गया है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय में 28-30 अप्रैल तक भारी बारिश के आसार हैं। वहीं, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 29-30 अप्रैल को बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक, गुजरात और महाराष्ट्र में भी अगले पांच दिनों तक बारिश की संभावना है। आईएमडी ने कहा है कि इन इलाकों में ओले भी गिर सकते हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 30 अप्रैल तक झमाझम बारिश होगी। राजस्थान में कुछ इलाकों में धूल भरी आंधी चलने की भी संभावना है। मौसम विभाग ने बताया है कि बारिश और बादल के कारण देश के अधिकांश हिस्सों में अभी अधिकतम तापमान स्थिर रहने की संभावना है। आईएमडी का कहना है कि अगले पांच दिनों तक लू चलने के आसारा नहीं के बराबर हैं। इसके बाद तापमान में वृद्धि दर्ज की जा सकती है।

नौ साल में 53 हजार 868 किमी बढ़ा राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क

पीएम मोदी ने गडकरी के कामों को सराहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले नौ साल में बुनियादी ढांचे के विकास की गति की सराहना की है। खासकर सड़क निर्माण के क्षेत्र में इस अवधि में किए गए प्रयासों को अर्थव्यवस्था के लिए बेहद अहम बताते हुए पीएम ने कहा है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिहाज से पिछलो नौ वर्ष परिवर्तनकारी रहे हैं। उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के एक ट्वीट को साझा करते हुए लिखा कि बेहतर सड़क संपर्क ने अर्थव्यवस्था के अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों को बहुत मजबूत किया है। गडकरी ने अपने ट्वीट में एक अप्रैल 2014 से मार्च 2023 तक राष्ट्रीय राजमार्गों के नेटवर्क में 53,868 किलोमीटर की वृद्धि होने की सूचना दी थी।

राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई में वृद्धि

गडकरी के अनुसार, 2014 में अप्रैल तक देश में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई 91,287 किलोमीटर थी, जो अब 1,45,155 किलोमीटर तक पहुंच गई है। यदि पूरे देश में सड़कों के नेटवर्क की बात की जाए तो भारत दुनिया में अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है।

प्रतिदिन बन रही करीब 29 किमी सड़क

सरकारी डाटा के अनुसार, 2014-15 में जहां प्रतिदिन सड़क निर्माण की रफ्तार 12.1 किलोमीटर थी, वहीं 2021-22 में यह बढ़कर 28.6 किलोमीटर हो गई। राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की रफ्तार कॉरिडोर आधारित हाईवे निर्माण की रणनीति को व्यवस्थित तरीके से बढ़ावा देने के कारण तेजी के साथ बढ़ी है।

कोरोना काल की फीस न लौटाना पड़ा महंगा, नोएडा और ग्रेटर नोएडा के 100 स्कूलों पर लगा जुर्माना

ग्रेटर नोएडा। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद कोरोना काल में सत्र 2021-22 की 15 प्रतिशत फीस अभिभावकों को वापस नहीं करने पर जिलाधिकारी ने बड़ी कारवाई की। जिला शुल्क नियामक समिति ने नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा के 100 स्कूलों पर एक-एक लाख का जुर्माना लगाया। जुर्माना राशि 10 दिन में जमा करने के लिए कहा गया है। तय समय सीमा पर जुर्माना नहीं जमा करने पर जुर्माना पांच लाख हो जाएगा। सभी स्कूलों से हाईकोर्ट के आदेश का पालन करने का निर्देश दिया गया है। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. धर्मवीर सिंह ने बताया कि कोरोना काल के शैक्षणिक सत्र 2020-21 के दौरान निजी स्कूलों द्वारा ली गई फीस का 15 फीसदी लौटाने या समायोजित करने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आदेश दिया था। इसी आदेश का पालन कराने के लिए शासनादेश जारी हुआ था। इसको लेकर जिला विद्यालय निरीक्षक ने गत 25 फरवरी और आठ अप्रैल को निजी स्कूलों को नोटिस जारी था। विभाग ने फीस का समायोजन करने या लौटने की स्कूलों से सूचना मांगी थी। इसमें 100 से अधिक स्कूलों ने सूचना भेज दी। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में 24 अप्रैल को जिला शुल्क नियामक समिति की बैठक हुई थी। इसमें हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी अभिभावकों को 15 फीसदी शुल्क समायोजित या वापस न करने पर नोएडा और ग्रेटर नोएडा के करीब 100 स्कूलों पर कार्रवाई की गई। स्कूलों पर शुल्क विनियमन अधिनियम 2018 के आदेश का उल्लंघन करने पर एक-एक लाख का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माने की राशि को जमा करने के लिए दस दिन का समय दिया है।

जिला शुल्क नियामक समिति ने नोएडा के शिव नादर स्कूल, नोएडा के फादर एग्नेल स्कूल, नोएडा के सेक्टर-39 रेयान स्कूल, ग्रेनो के जीडी गोयनका स्कूल, ग्रेनो के गगन स्कूल, नोएडा के सेक्टर-11 मार्डन स्कूल, नोएडा के सेक्टर-34 बिल्लाबोंग हाई इंटरनेशनल स्कूल, नोएडा के सेक्टर-50 रामाज्ञा पब्लिक स्कूल, नोएडा के सेक्टर-50 द मिलेनियम स्कूल, ग्रेनो वेस्ट के लोटस वैली स्कूल सहित 100 पर कार्रवाई की।

बिना अनुमति बढ़ाई फीस, जुर्माना लगा–नोएडा के एपीजे स्कूल ने वर्ष 2023 में 35.74 फीसदी फीस बढ़ाने के लिए अभिभावकों को ई-मेल भेजा था। इसकी शिकायत अभिभावकों ने डीआईओएस से की थी। इस पर 31 मार्च को नोटिस भेजा गया था और जवाब मांगा गया था। इसमें स्कूल प्रबंधन ने शिक्षकों के लिए सातवें वेतन आयोग को लागू करने के लिए फीस बढ़ोतरी की बात की थी।

सिर्फ भारत को ही है अपने नागरिकों की चिंता, सूडान से लौटे भारतीयों ने लगाए 'नरेंद्र मोदी जिंदाबाद' के नारे

नई दिल्ली। संकटग्रस्त सूडान में फंसे भारतीयों को ऑपरेशन कावेरी के तहत सुरक्षित भारत लाया जा रहा है। अब तक दो जत्था भारत लाया जा चुका है। पहले जत्थे में कुल 360 और दूसरे में 128 लोग शामिल थी। भारत लौटने वाले लोगों के चेहरे पर खुशी का ठिकाना नहीं था। दिल्ली एयरपोर्ट लैंड होते ही यात्रियों ने भारत माता की जय, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद और इंडियन आर्मी जिंदाबाद के नारे लगाए। भारत सरकार के द्वारा भारतीय वायुसेना के विमानों के द्वारा सूडान में फंसे भारतीयों को वापस लाया जा रहा है।

आपको बता दें कि सऊदी अरब के जेद्दा से 360 भारतीयों के पहले जत्थे को लेकर भारतीय वायुसेना का विमान बुधवार रात भारत पहुंच गया। जैसे ही विमान रात नौ बजे नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा, लोगों के चेहरे खुशी से खिल गए। हवाई अड्डे पर उतरते ही यात्रियों ने नारे लगाए।

सिर्फ भारत ही अपने लोगों को निकाल रहा

नई दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरे जत्थे में आई एक महिला ने कहा कि भारत सरकार ने हमें

बहुत मदद की। वहां स्थिति काफी खतरनाक थी और हमारा यहां सुरक्षित पहुंचना बड़ी बात है। मैं प्रधानमंत्री मोदी और भारत सरकार को धन्यवाद देती हूं। एक अन्य भारतीय सुरेंद्र सिंह यादव ने सकुशल भारत लौटने के बाद कहा कि मैं वहां आईटी प्रोजेक्ट के लिए गया था और वहीं फंस गया। दूतावास और सरकार ने बहुत मदद की। करीब एक हजार लोग जेद्दा में हैं। सरकार काफी तेजी से बचाव अभियान चला रही है। सूडान से लौटकर आए भरत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को धन्यवाद देते हुए कहा कि सऊदी अरब की सरकार ने भी बेहतर काम किया। एक अन्य नागरिक गौरव जैन ने कहा कि अभी केवल भारत सरकार ही है, जो अपने नागरिकों को बचाने पर ध्यान दे रही है। विकसित देश केवल अपने राजनयिकों को बचाने पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। भारतीय वायु सेना का सी-17 सैन्य परिवहन विमान बुधवार को भारतीय नागरिकों को जेद्दा से मुंबई लाने के लिए रवाना हो गया। यह विमान गुरुवार की सुबह मुंबई पहुंच जाएगा। इस विमान में 128 भारतीय सवार है।

संपादकीय

अनाज पे गाज

इधर ग्लोबल वार्मिंग से मौसम के मिजाज में खासा बदलाव आया है। कब बारिश हो जाये कहना मुश्किल है। हालांकि, अब मौसम विभाग को उपग्रहों के संबल से मौसम की सटीक भविष्यवाणी करना संभव हुआ है। कुछ दिन पहले बता दिया जाता है कि फलां दिन मौसम खराब होगा या बारिश होगी। लेकिन वे तस्वीरें विचलित करती हैं जब मंडियों व सरकारी गोदामों के बाहर पड़ा गेहूं बारिश में भीगता दिखायी देता है। जाहिर है जिन विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों की जिम्मेदारी अनाज भंडारण व संरक्षण की होती है, वे अपनी जिम्मेदारी का सही ढंग से निर्वाह नहीं करते। वे तस्वीरें परेशान करती रहीं जिनमें किसान मंडियों में खरीद के लिये रखे अनाज को बारिश से बचाने का प्रयास करते नजर आये। दरअसल, खरीद प्रक्रिया की जटिलताओं के चलते भी खरीद में विलंब होने से काफी अनाज मंडियों के परिसरों में पिछले दिनों भीगता नजर आया। खुले में खराब होता अनाज हर किसी संवेदनशील व्यक्ति को परेशान करता है। कैसे किसान अनाज को अपनी खून-पसीने की मेहनत से सींचता है और तंत्र की काहिली से वह अनाज खराब हो जाता है। उसकी गुणवत्ता खराब होने से किसान को अनाज औने-पौने दाम में बेचने के लिये बाध्य होना पड़ता है। यह विडंबना है कि जिस देश में भूख व कुपोषण के आंकड़े शर्मसार करते हों वहां लाखों टन अनाज संवेदनहीन तंत्र की लापरवाही से यूं ही बर्बाद हो जाता है। हमारी अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक खाद्यान्न का यूं खराब हो जाना एक आपराधिक लापरवाही का ही नतीजा है। जाहिर है देश में अवैज्ञानिक तरीके से अनाज भंडारण के चलते ही ऐसी समस्या उपजती है। पिछले दिनों खबर आई कि रोहतक में किसानों को अपना अनाज बचाने के लिये उसका भंडारण श्मशान घाट के शेड में करना पड़ा। गाहे-बगाहे मीडिया में अन्न की बर्बादी की खबरें विचलित करती हैं। वहीं अनाज भंडारण व संरक्षण से जुड़े विभागों के कर्मचारियों द्वारा भी अनाज को नुकसान पहुंचाने की खबरें आई हैं। एक अनुमान के अनुसार, देश में हर साल बारह से सोलह मिलियन टन अनाज पर्याप्त भंडारण सुविधा के अभाव में बर्बाद हो जाता है। इतना अनाज देश के एक तिहाई गरीबों को खिलाने के लिये पर्याप्त होता। लेकिन दशकों से चले आ रहे संकट के बावजूद वैज्ञानिक रूप से सुदृढ़ भंडारण की दिशा में गंभीर प्रयास होते नजर नहीं आये। इसके लिये जरूरत के मुताबिक निवेश किया ही नहीं गया। होना तो यह चाहिए था कि फसल की कटाई के बाद नुकसान को कम करने के लिये नयी तकनीक के इस्तेमाल को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती। जिससे लाखों टन अनाज को बर्बाद होने से बचाया जा सकता। कोरोना महामारी तथा रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पूरे विश्व में पैदा हुए खाद्यान्न संकट के मद्देनजर अनाज के महत्व को समझा जाना चाहिए। दरअसल, अनाज के उत्पादन से लेकर उपभोग तक की आपूर्ति श्रृंखला के प्रत्येक चरण में यह नुकसान होता है। इसके अलावा खाद्यान्न की मात्रा के साथ ही गुणात्मकता के लिये सुरक्षित भंडारण की सुविधा बेहद जरूरी है। एक अध्ययन के मुताबिक अनाज की कटाई, थ्रेसिंग, परिवहन व भंडारण के दौरान भारी मात्रा में अनाज बर्बाद हो जाता है। प्रतिकूल मौसम में आये दिन होने वाली बारिश व ओलावृष्टि से हम अनाज को पूरी तरह से सुरक्षित नहीं कर पाये हैं। वहीं दूसरी ओर हर साल किसान अनाज का रिकॉर्ड उत्पादन कर रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य दिवस

(लेखक - विद्यावाचस्पति डॉ. अरविन्द प्रेमचंद जैन)

(28 अप्रैल)

स्वास्थ्य सेवाओं में संलंग व्यक्तियों /कार्यकर्ताओं को चौबीस घंटे संक्रमित रोगियों और वातावरण में रहने से अधिकतर संक्रमित होने का खतरा बना रहता हैं, जिसके बचाव के किये समुचित साधन होना अनिवार्य हैं। जिसे आमतौर पर व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा व्यावसायिक स्वास्थ्य, या व्यावसायिक सुरक्षा के रूप में भी जाना जाता है, काम पर लोगों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण से संबंधित एक बहु-विषयक क्षेत्र है (अर्थात एक व्यवसाय में)। ये शब्द इस क्षेत्र के लक्ष्यों को भी संदर्भित करते हैं, एक व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य कार्यक्रम का लक्ष्य एक सुरक्षित और स्वस्थ व्यावसायिक वातावरण को बढ़ावा देना है।उन सभी आम जनता की भी सुरक्षा करता है जो व्यावसायिक वातावरण से प्रभावित हो सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र के आधिकारिक अनुमानों के अनुसार, विश्व स्वास्थ्य संगठन /विश्व श्रमिक संगठन संयुक्त अनुमान काम से संबंधित बीमारी और चोट के बोझ का, लगभग 2 मिलियन लोग हर साल व्यावसायिक जोखिम कारकों के संपर्क में आने के कारण मर जाते हैं। विश्व स्तर पर, कार्यस्थल से संबंधित दुर्घटनाओं या बीमारियों के परिणामस्वरूप सालाना 2 .78 मिलियन से अधिक लोग मरते हैं, जो कि प्रत्येक पंद्रह सेकंड में एक मौत के बराबर है। सालाना अतिरिक्त 374 मिलियन गैर-घातक कार्य-संबंधित चोटें हैं। यह अनुमान लगाया गया है कि व्यवसाय संबंधी चोट और मृत्यु का आर्थिक बोझ प्रत्येक वर्ष वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग चार प्रतिशत है। इस प्रतिकूलता की मानवीय कीमत बहुत बड़ी है।

सामान्य कानून के क्षेत्राधिकार में, नियोक्ताओं का अपने कर्मचारियों की सुरक्षा का उचित ध्यान रखने के लिए सामान्य कानून कर्तव्य (जिसे देखभाल का कर्तव्य भी कहा जाता है) होता है। क़ानून कानून, इसके अलावा, अन्य सामान्य कर्तव्यों को लागू कर सकता है, विशिष्ट कर्तव्यों को लागू कर सकता है, और व्यावसायिक सुरक्षा के मुद्दों को विनियमित करने के लिए सरकारी निकायों का निर्माण कर सकता है- इसका विवरण क्षेत्राधिकार से क्षेत्राधिकार में भिन्न होता है।

जैसा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा परिभाषित किया गया है व्यावसायिक स्वास्थ्य कार्यस्थल में स्वास्थ्य और सुरक्षा के सभी पहलुओं से संबंधित है और खतरों की प्राथमिक रोकथाम पर एक मजबूत ध्यान केंद्रित करता है। स्वास्थ्य को पूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण की स्थिति के रूप में परिभाषित किया गया है, न कि केवल बीमारी या दुर्बलता की अनुपस्थिति। व्यावसायिक स्वास्थ्य स्वास्थ्य देखभाल का एक बहु-विषयक क्षेत्र है, जो किसी व्यक्ति को अपना व्यवसाय करने में सक्षम बनाता है, जिस तरह से उनके स्वास्थ्य को कम से कम नुकसान पहुंचाता है। यह काम पर स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रचार के साथ संरेखित है, जो कार्यस्थल में खतरों से होने वाले नुकसान को रोकने से संबंधित है।

1950 से, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठनऔर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने व्यावसायिक स्वास्थ्य की एक सामान्य परिभाषा साझा की है। इसे 1950 में अपने पहले सत्र में व्यावसायिक स्वास्थ्य पर संयुक्तअंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठनऔर विश्व स्वास्थ्य संगठन समिति द्वारा अपनाया गया था और 1995 में इसके बारहवें सत्र में संशोधित किया गया था। परिभाषा इस प्रकार है-

पेशेवर स्वास्थ्य में मुख्य फोकस तीन अलग-अलग उद्देश्यों पर है- (i) कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कार्य क्षमता का रखरखाव और प्रचार; (ii) काम के माहौल में सुधार और सुरक्षा और स्वास्थ्य के अनुकूल बनने के लिए काम करना और (iii) विकास कार्य संगठनों और कामकाजी संस्कृतियों का एक दिशा में जो काम पर स्वास्थ्य और सुरक्षा का समर्थन करता है और ऐसा करने से एक सकारात्मक सामाजिक वातावरण और सुचारू संचालन को भी बढ़ावा मिलता है और उपक्रमों की उत्पादकता में वृद्धि हो सकती है। कार्य संस्कृति की अवधारणा का अर्थ इस संदर्भ में है संबंधित उपक्रम द्वारा अपनाई गई आवश्यक मूल्य प्रणालियों का प्रतिबिंब। ऐसी संस्कृति प्रबंधकीय प्रणालियों, कार्मिक नीति, भागीदारी के सिद्धांतों, प्रशिक्षण नीतियों और उपक्रम के गुणवत्ता प्रबंधन में व्यवहार में परिलक्षित होती है।

स्वास्थ्य कर्मियों को कई खतरों का सामना करना पड़ता है जो उनके स्वास्थ्य और तंदुरूस्ती पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। लंबे समय तक, बदलती शिफ्ट, शारीरिक रूप से मांगलिक कार्य, हिंसा, और संक्रामक रोगों और हानिकारक रसायनों के संपर्क में आना ऐसे खतरों के उदाहरण हैं जो इन श्रमिकों को बीमारी और चोट के जोखिम में डालते हैं। मस्कुलोस्केलेटल चोट (रूस्ढ्ढ) स्वास्थ्य कर्मियों के लिए और कुल मिलाकर कार्यस्थलों में सबसे आम स्वास्थ्य खतरा है। [65] उचित शरीर यांत्रिकी का उपयोग करके चोटों को रोका जा सकता है।

श्रम सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार, अमेरिकी अस्पतालों ने 2011 में 253, 700 काम से संबंधित चोटों और बीमारियों को दर्ज किया, जो कि प्रति 100 पूर्णकालिक कर्मचारियों के लिए 6 .8 काम से संबंधित चोटें और बीमारियाँ हैं। अस्पतालों में चोट और बीमारी की दर निर्माण और निर्माण की दर से अधिक है - दो उद्योग जिन्हें परंपरागत रूप से अपेक्षाकृत खतरनाक माना जाता है। भारत में, श्रम मंत्रालय कारखानों में व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय नीतियां बनाता है और फैक्टरी सलाह सेवा और श्रम संस्थान महानिदेशालय (डीजीएफएएसएलआई) से सलाह और सहायता लेता है, और कारखानों के निरीक्षणालयों और गोदी सुरक्षा निरीक्षणालयों के माध्यम से अपनी नीतियों को लागू करता है। डीजीएफएएसएलआई श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार की तकनीकी शाखा है और कार्यस्थलों पर लोगों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, दक्षता और कल्याण से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर कारखानों को सलाह देती है। डीजीएफएएसएलआई नियम बनाने, व्यावसायिक सुरक्षा सर्वेक्षण करने और व्यावसायिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने में भी तकनीकी सहायता प्रदान करता है।

28 अप्रैल को अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन कार्यस्थल में सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व सुरक्षा और स्वास्थ्य दिवस मनाता है। 2003 से प्रतिवर्ष होने वाला, प्रत्येक वर्ष यह एक विशिष्ट क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करता है और थीम के आसपास एक अभियान को आधार बनाता है।

बच्चों की मौलिक सोच व स्तर में गिरावट

डिजिटल लत/ रमेश ठाकुर

'आटा' से भी सस्ता मोबाइल 'डाटा' के घोर नकारात्मक प्रभाव अब खुलकर दिखने लगे हैं। इंटरनेट, साइबर संसार, स्मार्टफोन व सोशल मीडिया की ऐसी लत युवाओं में लग चुकी है जिससे वह न सिर्फ वास्तविक दुनिया से कट गया है, बल्कि इसके शिक्षा स्तर और बौद्धिक क्षमता में भी गिरावट दर्ज हो गई है। स्कूली बच्चों और बीस वर्ष के आसपास के नवयुवकों व लड़कियों पर हाल ही में हुए एक डिजिटल-साइबर सर्वे से पता चला है कि इनकी 92 फीसदी संख्या साइबर एडिक्शन के समुद्र में गोता लगाती है जिनमें 60 फीसद संख्या ऐसी है जो खाना-पीना छोड़ सकते हैं, पर फोन-सोशल मीडिया नहीं? कक्षा पांच से ऊपर वाले अधिकांश बच्चे फोन में ऐसे घुसे हुए, जैसे उन्हें दुनियादारी से कोई मतलब ही नहीं? सिर्फ अपने में ही मस्त होते हैं। समय पर खाना खाना, स्वस्थ रहने के लिए खेलकूद, स्कूल होमवर्क आदि सब भूले होते हैं। सेकेंडरी लेवल के बच्चों में शिक्षा स्तर का गिरने का कारण भी डिजिटल लत ही है। इसके अलावा उनके शारीरिक विकास में नुकसान हो रहा है? बच्चे समय से पहले अपनी आंखों की रोशनी खोते जा रहे हैं। पारिवारिक सदस्य हों या अभिभावक, शिक्षक, चिकित्सक, सभी इंटरनेट, स्मार्टफोन व सोशल मीडिया के नकारात्मक पक्षों से भलीभांति वाकिफ हैं, बावजूद इसके वह कुछ कर नहीं पाते। दरअसल, उनमें एक डर ये भी होता है, कि ज्यादा सख्ती दिखाने पर बच्चे गलत कदम उठाने में देरी नहीं करते? डिजिटल युग में वास्तविक रिश्ते बहुत पीछे छूटते जा रहे हैं जिनमें युवा ज्यादा हैं। बीते दिनों अमेरिकी कंपनी 'साइबर वर्ल्ड ओरीजनल' और 'ए.टी. कियर्नी' ने संयुक्त रूप से दर्जन भर देशों में करीब लाख से ज्यादा लोगों से बातचीत करके एक सर्वे किया, जिसमें लोगों से पूछा गया कि उनके बच्चे ज्यादातर समय कैसे बिताते हैं। उत्तर में बताया गया कि स्कूलों से आने के बाद बच्चे बा-मुश्किल अपनी स्कूली ड्रेस चेंज करते हैं, घर पहुंचते ही सीधे मोबाइलों पर झपट्टा मारते हैं। खाना-पीना, स्कूल बैग्स रखना भी गवारा नहीं समझते। यहां तक कि शाम के वक्त खेलने-कूदने का वक्त होता है, वहां भी स्मार्टफोन ले जाकर बच्चे गेमों में मटरगश्ती करते हैं। भारत के हालात कुछ ज्यादा ही खराब हैं। स्मार्टफोन के इस्तेमाल में हिंदुस्तानी बच्चे अव्वल श्रेणी में हैं जिसकी वजह हमारे यहां मोबाइल डाटा अन्य देशों के मुकाबले काफी सस्ता है। साइबर एडिक्शन के नुकसान एक नहीं, अनेक हैं। मन-मस्तिष्क में इंटरनेट की सोहबत घुसने से बच्चे स्टडीज की मूल मौलिकता से अनभिज्ञ हो रहे हैं। अभी हाल में यूपीपीसीएस का परिणाम घोषित हुआ जिनमें जिन बच्चों ने सफलता पाई, उन्होंने अपने इंटरव्यू में कहा भी कि कोई भी परीक्षा पास करने के लिए प्रतिभागियों को सोशल मीडिया से दूर रहना होगा। इंटरनेट के सकारात्मक पक्ष के संबंध भी हैं जिनका भी जिक्र उन्होंने किया। पर, ज्यादातर बच्चे सदुपयोग की जगह दुरुपयोग ही करते हैं। इंटरनेट में व्यस्त होने के चलते ही कम्पीटिशन में प्रतिभागी पिछड़ रहे हैं। जबकि, जो बच्चे दूर रहते हैं, उन्हें बाजी मारने में कोई मुश्किल नहीं होती। कई सफल बच्चे कहते हैं कि अब कम्पीटिशन कम है, क्वालिटी-स्टडी के प्रतिभागियों की संख्या सीमित होती है। कुल मिलाकर, इंटरनेट, फोन, सोशल मीडिया के जंजाल में फंस चुकी पीढ़ी को बाहर निकालना किसी चुनौती से कम नहीं? बहरहाल, इस समस्या का सर्वाधिक नकारात्मक पहलू एक यह भी है। आज की पीढ़ी गूगल-इंटरनेट को ही शिक्षक और अपना माईबाप समझने लगी है, जो सर्च किया उसे ही वास्तविक सच्चाई मान लेती है। तब उन्हें बुजुर्गों के अनुभव, बुद्धिजीवियों की राय बेमानी-सी लगती है। विद्यालयों में पढ़ाए गए कोर्स या चैप्टरों पर विश्वास नहीं करती। पाठ्यक्रम की तमाम सामग्री गूगल करके समझते हैं। असल मायनों में यहीं से शिक्षा का स्तर गिरना भी आरंभ हो जाता है। युवाओं में अब धीरे-धीरे देश की जरूरी-वास्तविक समस्याओं को जानने-समझने की क्षमता कुंद होती जा रही है। सर्वे बताता है कि ऐसा भी नहीं है कि युवा इंटरनेट का इस्तेमाल जरूरी तौर पर करते हैं, जमकर दुरुपयोग करते हैं। चाइल्ड पोर्नोग्राफी की लत भी इंटरनेट से चिपकने से लगती है। कई बच्चे स्कूलों में भी फोन के साथ पकड़े जाने लगे हैं। कई मर्तबा तो बच्चों की हरकतों को देखकर शिक्षक-अभिभावक भी शर्मसार होते हैं। दरअसल, कोरोना काल में लगाए गए लॉकडाउन ने बच्चों में फोन की लत को और बढ़ाया था। वो ऐसा वक्त था, जब बच्चे घरों में कैद थे और स्कूलों की बीच में छूटी पढ़ाई को फोन के जरिए ऑनलाइन पढ़ते थे। तब, अभिभावक भी यही मानते थे कि बच्चे पढ़ने में मग्न हैं। पर, उन्हें क्या पता था कि बच्चे मोबाइल एडिक्शन के शिकार हुए पड़े हैं। समय की मांग यही है, युवाओं और आने वाली पीढ़ी को इस समस्या से किसी भी सूरत में बचाने के मुकम्मल उपाय खोजे जाएं।

जनता सब जान रही है, नेता खोल रहे हैं एक-दूसरे की पोल

(लेखक - सनत जैन)

पिछले 10 वर्षों में भारतीय जनता पार्टी ने जिस तरह से आरोपों की राजनीति से देश की सत्ता में परिवर्तन कराया। सभी राजनीतिक दलों को पिछले 9 वर्षों में भाजपा ने सिखा दिया है। 2जी, कोयला घोटाला, कॉमनवेल्थ गेम और नेताओं के ऊपर जो भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। सीएजी की काल्पनिक रिपोर्ट को आधार बनाकर जो तूफान भाजपा ने पैदा किया था। एक ही झटके में कांग्रेस पार्टी की सत्ता हवा में उड़ गई। उसके बाद भारतीय जनता पार्टी सबसे ईमानदार पार्टी और उसके नेता सबसे ईमानदार बनकर जनता के सामने हैं। कांग्रेस सहित गैर भाजपाई दलों को भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद के आरोप में गैर भाजपाई दोनों को पिछले 9 वर्षों में काफी नुकसान उठाना पड़ा है। समय के साथ गैर भाजपाई दलों ने भी भाजपा की रणनीति को समझ एवं सीख लिया है। अब वह डरने की बजाय आक्रमक होकर भाजपा का मुकाबला कर रहे हैं। अभी विपक्ष को केवल एक चुनौती है कि मीडिया में उसे स्थान नहीं मिलता है। इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया में भाजपा और केंद्र सरकार का वर्चस्व होने के कारण गैर भाजपाई दलों की बातें आम जनता तक नहीं पहुंच पा रही हैं। 2013-14 में भारतीय जनता पार्टी ने सोशल मीडिया के सहारे कांग्रेस को बुरी तरह से घेरा था। पिछले वर्षों में गैर भाजपाई दलों ने भी सोशल मीडिया के विल और ताकत को समझ लिया है। जिस रास्ते से भाजपा आगे बढ़ी थी। वही रास्ता अब गैर भाजपाई दलों ने भी अपना लिया है। पूरी ताकत के साथ सोशल मीडिया पर जवाब देने का तरीका खोज लिया है। इससे सरकार की परेशानी सोशल मीडिया के कारण बढ़ रही है। सोशल मीडिया पर सबूतों के साथ विप क्षियों ने जो लड़ाई शुरू की है, वह भाजपा को भारी पड़ने लगी है। सोशल मी डिया को सरकार अभी तक नियं त्रित नहीं कर पाई है। हाल ही में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बंगले पर 45 करोड़ रुपए खर्च करने का आरोप लगाया। केजरीवाल के खिलाफ भाजपा ने दिल्ली में धरना प्रदर्शन शुरू कर दिए। आम आदमी पार्टी ने भी तत्काल इसका जवाब देना शुरू कर दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली के उप राज्यपाल को अपने निशाने पर लिया। आम आदमी पार्टी ने पीएम आवास पर 500 करोड़ रुपए खर्च करने और एक लान पर 90 करोड़ रुपये खर्च करने, उपराज्यपाल के बंगले पर 15 करोड़ रुपए की पुताई कराने का दस्तावेजी प्रमाण मी डिया में प्रस्तुत कर दिया। मीडिया में जो बहस चलाई जाती है। उसका भी उपयोग विपक्षी अपने पक्ष में करना सीख गए हैं। अब वह एंकर और भाजपा प्रवक्ताओं के चक्रव्यूह में फंसने के स्थान पर अपने समय का उपयोग भाजपा के ऊपर दस्तावेजी प्रमाण दिखाकर आरोप के रूप में करने लगे हैं। इससे भाजपा और सरकार को नई परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिस मकसद से अभी तक बहस चलाकर भाजपा विपक्ष को घेरती थी, उन्हीं मामलों में अब मियां की जूती मियां का सिर की कहावत को चरितार्थ करते हुए मीडिया और भाजपा प्रवक्ताओं को घेरने का कोई मौका विपक्षी प्रवक्ता नहीं चूक रहे हैं। जिसके कारण आम जनता के मन में भी अब संशय पैदा होने लगा है। गोदी मीडिया अब आम आदमियों को प्रभावित नहीं कर पा रहा है। जितना सोशल मीडिया प्रभावित करने लगा है। इससे सरकार और भाजपा की मुसीबतें बढ़ने लगी हैं। कहा जा रहा है कि गैर भाजपाई दलों की गुरु भारतीय जनता पार्टी है। इसने राजनीति का नया तरीका राजनीतिक दलों को सिखाया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में केवल एक ही कमी देखने को मिल रही है। भारतीय जनता पार्टी के पास राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक और कार्यकर्ताओं का एक बड़ा कैडर है। केंद्र एवं अधिकांश राज्यों में सत्ता होने के कारण भाजपा के पास संसाधनों और पैसों की कोई कमी नहीं है। विपक्षी दल इस समय गंभीर आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं। उनके पास भाजपा जैसा कैडर नहीं है। इसके बाद भी महंगाई बेरोजगारी और अन्य समस्याओं के कारण भाजपा ने जो तिस्लिम तैयार किया था, वह धीरे-धीरे दरक रहा है। आम जनता के मन में नेताओं के प्रति विश्वसनीयता भी घट रही है। कर्नाटक में जिस तरह से कन्नड़ अस्मिता और गुजराती अस्मिता का खेल देखने को मिला है। उससे भाजपा की चिंता बढ़ी है। कर्नाटक चुनाव में यदि भाजपा सरकार नहीं बन पाई, ऐसी स्थिति में 2024 के लोकसभा चुनाव में वर्चस्व को बचा पाना भारतीय जनता पार्टी के लिए मुश्किल हो सकता है। भाजपा और संघ संगठन के अंदर जो दरारें बन रही हैं। कर्नाटक में इसका असर भी देखने को मिला है। कर्नाटक की पराजय के बाद राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा को अपनों की चुनौतियां से निपटना भारी पड़ेगा। गैर भाजपाई राजनै तिक दल एकजुट होकर अब आर-पार की लड़ाई लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। आर्थिक मंदी, महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक कारणों से जनता भी गैर भाजपाई दलों के साथ खड़ी होने लगी है।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल में बदलाव

नई दिल्ली । देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल के दामों में बदलाव देखने को मिल रहा है। कहीं पेट्रोल के दाम में हल्की बढ़त देखी गई तो कहीं कमी आई है। देश की बता दें कि सुबह 6 बजे हर दिन पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है और नई कीमत जारी की जाती है। पेट्रोल व डीजल के दाम में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन, वैट और अन्य चीजें जोड़ने के बाद इसकी कीमत मूल भाव से लगभग दोगुना हो जाती है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्‍लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

हिंदुजा समूह कंपनी ने दूसरी नीलामी में आरसीएल के लिए ऊंची बोली लगाई

मुंबई । कर्ज में डूबी कंपनी रिलायंस कैपिटल लिमिटेड (आरसीएल) की बिक्री के लिए आयोजित नीलामी के दूसरे चरण में हिंदुजा समूह की कंपनी आईआईएचएल 9,650 करोड़ रुपए की बोली के साथ सबसे बड़ी बोलीकर्ता बनकर उभरी। सूत्रों ने बताया कि ऑनलाइन नीलामी के दूसरे दौर में सबसे ऊंची बोली इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) ने लगाई है। आईआईएचएल ने आरसीएल के अधिग्रहण के लिए 9,650 करोड़ रुपए की बोली लगाई है। बोली की यह रकम नीलामी के पहले दौर में टॉरेंट इन्वेस्टमेंट्स की तरफ से लगाई गई 8,640 करोड़ रुपए की बोली से करीब 1,000 करोड़ रुपए अधिक है। सूत्रों के मुताबिक नीलामी के दूसरे चरण में शामिल होने की मंशा जताने वाली दो अन्य फर्मों टॉरेंट इन्वेस्टमेंट्स और सिंगापुर की ओकट्री ने बोली प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया। इस बारे में टिप्पणी के लिए हिंदुजा समूह को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला।

मेटा को पहली तिमाही में 5.71 अरब डॉलर का मुनाफा

सैन फ्रांसिस्को । फेसबुक की मूल कंपनी मेटा का पहली तिमाही का मुनाफा और आमदनी वॉल स्ट्रीट की उम्मीदों से ज्यादा रही है। इसके चलते कंपनी के शेयर में जोरदार उछाल आया है। मेटा ने बताया कि उसके प्रमुख मंच फेसबुक के मासिक उपयोगकर्ताओं की संख्या भी तीन अरब के पास पहुंच गई है। मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक ने कहा कि जनवरी-मार्च की तिमाही में उसका मुनाफा 5.71 अरब डॉलर या 2.20 डॉलर प्रति शेयर रहा। यह एक साल पहले की समान अवधि के 7.47 अरब डॉलर प्रति शेयर के मुनाफे से 19 प्रतिशत कम है। इस दौरान कंपनी की आमदनी तीन प्रतिशत बढ़कर 28.65 अरब डॉलर पर पहुंच गई, जो एक साल पहले समान अवधि में 27.91 अरब डॉलर रही थी। हालांकि, विश्लेषकों का अनुमान था कि कंपनी का मुनाफा 27.67 अरब डॉलर की आमदनी के साथ 2.02 डॉलर प्रति शेयर रहेगा।

बजार एलाइंस लाइफ लगातार 22वें साल देगी बोनस

नई दिल्ली । जीवन बीमा कंपनी बजाज आलियांज लाइफ ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए पॉलिसी धारकों को कुल 1,201 करोड़ रुपए का बोनस देने की घोषणा की है। यह लगातार 22वां वर्ष है जब कंपनी भागीदारी करने वाले सभी एलिजिबल पॉलिसीधारकों को बोनस का भुगतान करेगी। बजाज आलियांज लाइफ ने कहा कि बोनस में 872 करोड़ रुपएका नियमित बोनस और 329 करोड़ रुपएका टर्मिनल और नकद बोनस शामिल है। इससे पहले के वित्त वर्ष में कंपनी ने 11.62 लाख से अधिक पॉलिसीधारकों को बोनस के रूप में 1,070 करोड़ रुपए भुगतान किया था। कंपनी ने कहा कि उसके कुल 35 लाख पॉलिसीधारकों में से 11.43 लाख पॉलिसीधारकों को इस घोषणा का लाभ मिलेगा।

मौसमी समस्याओं के कारण सप्लाई कम हुई, जिससे महंगाई बढ़ी: वित्त मंत्री

- सरकार सामान की कीमतों में नरमी लाने के कर रही है प्रयास

बैंगलुरु ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि मौसमी समस्याओं के कारण सप्लाई कम हुई, जिससे देश में महंगाई बढ़ गई है। हालांकि उन्होंने कहा कि जरूरी सामान की कीमतों में नरमी लाने के प्रयासों के साथ उस पर लगातार नजर रखी जा रही है। सीतारमण ने ईंधन और प्राकृतिक गैस के दाम में कमी लाने के प्रयासों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि देश में इनका आयात किया जाता है और कोविड, रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक बाजार में ईंधन के दाम ऊंचे हैं। कर्नाटक के कलबुर्गी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सीतारमण ने कहा कि मौसमी स्तर पर सप्लाई से जुड़ी समस्याओं के कारण महंगाई बढ़ी है। मंत्रियों का समूह जरूरी सामान और उनकी कीमतों पर पैनी नजर रखे हुए है। जब भी जरूरत पड़ी तो हालात के अनुसार अतिरिक्त स्टॉक जारी किया गया। जब चावल के दाम में तेजी आई, हमने बफर स्टॉक से चावल जारी किया। केंद्र सरकार कीमतों को नीचे लाने के लिए लगातार कदम उठा रही है। यही कारण है कि रिटेल महंगाई दर अब छह प्रतिशत से नीचे आ गई है। पेट्रोल-डीजल के ऊंचे दामों पर पूछे गए एक सवाल पर सीतारमण ने कहा कि कोविड और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक बाजारों में ईंधन के दाम ऊंचे हुए हैं।

हालांकि केंद्र सरकार पूरी कोशिश कर रही है कि ईंधन के दाम तर्कसंगत स्तर पर रहे। गेहूं की कीमत नियंत्रण में रखने के लिए सरकार ने गेहूं की खरीद तेज कर दी है। चालू वित्त वर्ष में 3.41 करोड़ टन गेहूं की खरीद का लक्ष्य है। अब तक 1.70 करोड़ टन गेहूं की खरीद हुई। एक सरकारी अधिकारी का कहना है कि गेहूं की खरीद में तेजी इसलिए जरूरी है ताकि सप्लाई के अनुसार रिटेल मार्केट में गेहूं की सप्लाई हो सके। अगर सप्लाई को लेकर कुछ गड़बड़ी हुई तो इससे गेहूं की कीमत में तेजी आ सकती है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुम्बई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया .17 पैसे की बढ़त के साथ ही 81. 83 पर बंद हुआ। इससे पहले सुबह रुपये की शुरुआत गिरावट पर हुई थी। रुपये में ये गिरावट घरेल शेयर बाजारों के नीचे आने के साथ ही विदेशी पूंजी की सतत निकासी से आई थी। इससे रुपया शुरुआती कारोबार में छह पैसे नीचे आकर 82.01 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.00 प्रति डॉलर पर खुलने के बाद 82.01 प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा था। यह पिछले बंद स्तर की तुलना में छह पैसे की गिरावट है। गत दिवस मंगलवार को रुपया 81.95 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इसी बीच छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती का आंकलन करने वाला सूचकांक 0.04 फीसदी फिसलकर 101.82 पर पहुंच गया। वहीं ब्रेंट क्रूड वायदा 0.37 फीसदी ऊपर आकर 81.07 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर कारोबार कर रहा था।

देश में 10 साल में बैंक ब्रांच बढ़ी लेकिन कर्मचारी घटे

नई दिल्ली । देश में बैंकों की ब्रांच की संख्या में इजाफा हो गया है लेकिन इनके कर्मचारियों की संख्या में कमी आई है। पिछले 10 सालों में बैंकों की ब्रांच में एक चौथाई की बढ़ोतरी देखी गई है लेकिन इनमें कर्मचारियों की संखा में 30 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है। इसकी मुख्य बजह यह बताई जा रही है कि बैंकों में जो कर्मचारी रिटायर्ड हो रहे हैं, उनके स्थान पर सरकार नए कर्मचारियों की भर्ती नहीं कर रही है। यही कारण है कि देश में बैंकों की ब्रांच बढ़ने के हिसाब से कर्मचारियों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। वर्ष 2010 और 2021 के बीच क्लर्क जैसे स्टाफ घटे जबे कि अे धिको रियों की संख्या में बढ़ोतरी देखी गई है। बैंकों मे 2005 में क्लर्क और अन्य कर्मचारियों की कुल संख्या 63 प्रतिशत थी। वर्ष 2010 तक घटकर 55 प्रतिशत और 2021 तक 30 प्रतिशत रह गई है। ये बैं किंग इंडस्ट्री का आंकड़ा है ले किन ज्यादातर बैंकिंग सर्विसज डिजिटल होने के चलते सरकारी बैंकों में यह गिरावट तेज हो रही है। दिलचस्प बात यह है कि 2015 में वित्त मंत्रालय ने सरकारी बैंकों से कहा था कि वे कई वरिष्ठ अधिकारियों के जल्द रिटायर होने को देखते हुए निचले स्तर के कर्मचारियों को योग्यता के आधार पर प्रमोशन देने पर विचार करे।

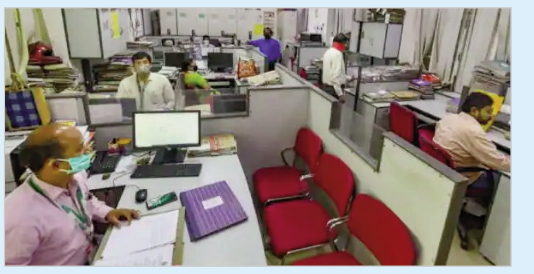

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

रिलायंस, इंफोसिस के शेयरों में उछाल

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भी तेजी के साथ ही बंद हुआ। लगातार चौथे कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही विदेशी कोषों के प्रवाह के साथ ही निजी क्षेत्रों की दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज , सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इंफोसिस एवं दूरसंचार कंपनियों के शेयरों में भारी खरीददारी से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 348.80 अंक करीब 0.58 फीसदी ऊपर आकर 60,649.38 अंक पर बंद हुआ।वहीं कारोबार के दौरान ये 397.73 अंक तक ऊपर आया। इसके अलावा पचास शेयरों वाले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी भी 101.45 अंक तकरीबन 0.57 फीसदी की बढ़त के साथ ही 17,915.05 अंक पर पहुंच गया।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, इन्फोसिस, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईटीसी, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज और नेस्ले के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारतीय स्टेट बैंक, एशियन पेंट्स और विप्रो के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच गुरुवार के कारोबारी दिन शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ खुले। बाजार की सपाट शुरुआत हुई है। सेंसेक्स 1.38 अंक बढ़कर 60,299.20 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 3.65 अंक की गिरावट के साथ 17,810.00 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार में हल्की बढ़त देखने को मिली। सुबह सेंसेक्स 44.66 अंक की बढ़त के साथ 60,345.24 के स्तर पर नजर आ रहा था। वहीं निफ्टी 27.40 अंक की बढ़त के साथ 17,841.00 के स्तर पर नजर आ रहा था। इसके अलावा

एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग भी ऊपर आया है। वहीं यूरोपीय बाजारों में भी बढ़त है। अमेरिकी बाजार गत दिवस नीचे आये। बाजार जानकारों का मानना है कि घरेलू बाजार धीरे-धीरे सकारात्मक रुख पर हैं। इसका कारण विदेशी निवेश के कारण पूंजी प्रवाह बढ़ना भी रहा। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.40 फीसदी बढ़कर 78.07 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

टाटा की कंपनी में सबको मिलेगा समान वेतन, टीसीएस में डबल सैलरी ऑफर

नई दिल्ली ।

टाटा की टीसीएस कंपनी में सबको समान वेतन के साथ ही डबल सैलरी देने की जानकारी मिल रही है। हालों कि दुनिया भर की दिग्गज टेक कंपनियां कठिन समय से गुजर रही हैं, क्योंकि कई कंपनियों ने लागत में कटौती करने के साथ ही बड़े पैमाने पर छंटनी की घोषणा की है। जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने इस चुनौती भरे दौर में न केवल कर्मचारियों की हायरिंग जारी रखी। कंपनी ने अपने कर्मचारियों में वेतन असमानता को कम करने की दिशा में भी काम` किया है। किसी कंपनी में कनिष्ठ और वरिष्ठ कर्मचारियों के बीच वेतन असमानता होना काफी आम बात है। लेकिन टीसीएस इस समस्या को खत्म करना चाहती है। कंपनी टीसीएस के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी, मिलिंद लक्कड़ ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि कंपनी अपने कर्मचारियों को अपस्किल करने और उनके वेतन को दोगुना करने का अवसर प्रदान करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के असर से इंडस्ट्री बाहर निकल रही है। इसलिए अच्छे टैलेंट की मांग काफी तेजी से बढ़ गई है। टैलेंट को अट्रैक्ट करने के लिए कंपनियां दोगुनी तिगुनी सैलरी ऑफर कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरान एंप्लॉयीज की सैलरी के बीच फर्क बढ़ा है। जबकि दूसरी स्टार्टअप कंपनियों से जो कर्मचारी निकाले गए हैं, उनमें से लोगों के भर्ती करने की तैयारी है। इसके अलावा कंपनी की वित्त वर्ष (2023 24) में करीब 40 हजार ट्रेनी कर्मचारियों की

नियुक्ति की योजना है। इस समय टीसीएस में 6 लाख से ज्यादा कर्मचारी काम कर रहे हैं। मिलिंद लक्कड़ ने कहा है कि हम छंटनी में विश्वास नहीं रखते है। कई कंपनियों को इसलिए कदम उठाना पड़ रहा है क्योंकि उन्होंने जरूरत से अधिक लोगों को काम पर रख लिया। वहीं टीसीएस मामले में सतर्क है। टीसीएस से जब कोई कर्मचारी जुड़ जाता है, तो यह कंपनी की जिम्मेदारी होती है कि वह उन्हें प्रोडक्टिव बनाए।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने जीएसटी मांग आने को नकारा

मुंबई । निजी बीमा कंपनी आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) के दावों में गड़बड़ी पर जीएसटी विभाग की तरफ से कर देनदारी की मांग आने का खंडन किया है। कंपनी ने कहा कि उस जीएसटी आसूचना महानिदेशालय (डीजीजीआई) से अनुमानित कर देनदारी का एक नोटिस मिला था जिसमें किए गए दावे को उसने खारिज कर दिया है। इसके साथ ही उसने कहा कि जीएसटी विभाग से उसे कर देनदारी के बारे में कोई कारण-बताओ नोटिस नहीं मिला है। जीएसटी अधिकारियों ने हाल ही में कहा था कि एक दर्जन से अधिक बीमा कंपनियों ने गलत बिलों के आधार पर इनपुट कर क्रेडिट के दावे किए थे। इन सभी कंपनियों को नोटिस भेजे जा रहे हैं। इस पर अपनी प्रतिक्रिया में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने कहा कि डीजीजीआई की मौजूदा जांच बीमा उद्योग में जारी चलन से संबंधित है और इसका कंपनी से खास संबंध नहीं है।

अमेजन का हेलो डिवीजन बंद, कर्मचारियों को किया बाहर

नई दिल्ली।

अमेजन ने अपने स्वास्थ्य-केंद्रित हेलो डिवीजन और साथ ही हेलो बैंड, हेलो व्यू और हेलो राइज डिवाइस को बंद कर दिया है जो अब इसकी वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं हैं। कंपनी ने हेलो टीम के कर्मचारियों को भी निकाल दिया है। सूचना के अनुसार कंपनी ने बुधवार देर रात एक ब्लॉग पोस्ट में कहा कि 1 अगस्त से अमेजन हेलो डिवाइस और अमेजन हेलो ऐप काम नहीं करेंगे। अमेजन ने कहा` कि हमने हाल ही में 31 जुलाई, 2023 से अमेजन हेलो का समर्थन बंद करने का बहुत कठिन निर्णय लिया है। हमने आज अमेरिका और कनाडा में प्रभावित कर्मचारियों को सूचित किया। अन्य क्षेत्रों में, हम स्थानीय प्रक्रियाओं का पालन कर रहे हैं, जिसमें कर्मचारी प्रतिनिधि निकायों के साथ परामर्श के लिए समय शामिल हो सकता है और संभावित रूप से प्रभावित कर्मचारियों के साथ संवाद करने में अधिक समय लग सकता है। हालों कि इस फैसले से प्रभावित होने वाले कर्मचारियों के लिए, अमेजन पैकेज प्रदान कर रहा है जिसमें एक अलग भुगतान, ट्रांजिशनल हेल्थ बीमा लाभ और बाहरी नौकरी प्लेसमेंट समर्थन शामिल है। आने वाले हफ्तों में, अमेजन हेलो व्यू, अमेजन हेलो बैंड, अमेजन हेलो राइस और अमेजन हेलो एक्सेसरी बैंड के पिछले 12 महीनों में की गई खरीदारी को अमेजन पूरी तरह से वापस कर देगा। इस मामले में ई-कमर्स` विशेषज्ञों ने कहा कि इसके अलावा, किसी भी अप्रयुक्त प्रीपेड हेलो सदस्यता शुल्क को आपकी मूल भुगतान विधि में वापस कर दिया जाएगा। यदि आपके पास सशुल्क सब्सक्रिप्शन है, तो आज से आपसे मासिक सब्सक्रिप्शन शुल्क नहीं लिया जाएगा। आपको कोई अतिरिक्त कदम उठाने की जरूरत नहीं है। अमेजन ने 2020 में मूल हेलो बैंड लॉन्च किया था। कंपनी ने कहा कि वह उपयोगकर्ताओं को अमेजन रिसायकलिंग कार्यक्रम के माध्यम से अमेजन हेलो उपकरणों और सहायक उपकरण को रीसायकल करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

डालमियो ने जेपी के सीमेंट कारोबार खरीदने किया करार

मुंबई ।

डालमिया ने कहा कि उसने कर्ज में डूबी कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के सीमेंट कारोबार के अधिग्रहण के लिए समझौता किया है। डालमिया भारत की अनुषंगी इकाई डालमिया सीमेंट भारत लिमिटेड (डीसीबीएल) ने उत्तर प्रदेश में स्थित जेपी सुपर सीमेंट संयंत्र के अधिग्रहण के लिए जेएएल के साथ समझौता किया। इस संयंत्र का उद्यम मूल्य 1,500 करोड़ रुपए आंका गया है जबकि लागत एवं खर्चों के तौर पर 190 करोड़ रुपये चिह्नित किए गए हैं। डालमिया भारत ने 12 दिसंबर, 2022 को जेपी समूह की प्रमुख कंपनी जेएएल और उसकी सहायक कंपनियों का 5,666 करोड़ रुपए के उपक्रम मूल्य पर अधिग्रहण करने की घोषणा की थी। इनमें जेपी समूह के क्लिंकर, सीमेंट एवं बिजली संयंत्रों के अधिग्रहण का प्रस्ताव शामिल है। उस घोषणा के अनुरूप डीसीबीएल ने मंगलवार को भिलाई जेपी सीमेंट लिमिटेड में 74 प्रतिशत हिस्सेदारी 666 करोड़ रुपए के उद्यम मूल्य पर लेने के लिए शेयर खरीद समझौता भी किया। इसके अलावा जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड के साथ मध्य प्रदेश के सिंगरौली में स्थित निग्री सीमेंट ग्राइंडिंग इकाई को लंबी अवधि के पट्टे पर लेने का समझौता भी किया गया है।

पट्टे के दौरान डीसीबीएल के पास इस इकाई को 250 करोड़ रुपए के उद्यम मूल्य पर खरीदने का भी विकल्प रहेगा।

कोल इंडिया ने 2025-26 में 1 अरब टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा

कोल इंडिया ने 52 नई परियोजनाओं को मंजूरी दी

नई दिल्ली ।

कोल इंडिया ने 2025-26 में 1 अरब टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य तय किया है। उत्पादन बढ़ाने के लिए कंपनी अब तक की सबसे बड़ी संख्या में खनन परियोजनाओं को मंजूरी दे रही है। मगर ऐसा करते समय वह लागत कम करने पर भी ध्यान दे रही है। कोल इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक प्रमोद अग्रवाल ने एक साक्षात्कार के दौरान यह बात कही। उनसे पूछा गया` कि पिछले वित्त वर्ष में कोयला उत्पादन का लक्ष्य हासिल करने के लिए परिचालन स्तर पर किस तरह के बदलाव किए गए थे? उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले प्रणाली में सुधार के लिए किए गए उपायों से 70 करोड़ टन का कठिन लक्ष्य पार करने में मदद मिली है। पर्यावरण और वन संबंधी मंजूरी हासिल करने तथा जमीन से संबंधित मसलों को निपटाने में सरकार से भी मदद मिली। तेजी से अनुबंध कर और सहायक इकाइयों के प्रबंधन को तेजी से निर्णय लेने का अधिकार देकर, कोयला उत्पादन के अनुबंध में लचीलापन लाकर और राज्य प्राधिकरणों तथा रेलवे, बिजली, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के साथ निरंतर समन्वय से संभावित अड़चनों की पहचान कर उन्हें दूर किया गया, जिससे उत्पादन बढ़ाने में मदद मिली। हमने 2025-26 में 1 अरब टन उत्पादन का लक्ष्य हासिल करने की योजना बनाई है। हम मौजूदा खदानों का विस्तार करने और नई परियोजनाएं शुरू कर क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दे रहे हैं। कुल 52 खनन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिससे चरणबद्ध तरीके से उत्पादन में हर साल 37.8 करोड़ टन का इजाफा होगा। इनमें से 13 नई परियोजनाएं हैं और बाकी मौजूदा परियोजनाओं का विस्तार किया गया है। इन परियोजनाओं से वित्त वर्ष 2025-26 में 102 करोड़ टन उत्पादन करने में मदद मिलेगी। हमने बारीकी से नजर रखने के लिए सालाना उत्पादन योजनाएं तैयार की हैं। 1 अरब टन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य हासिल करने में महानदी, साउथ ईस्टर्न और सेंट्रल कोल फील्ड्स लिमिटेड का उल्लेखनीय योगदान होगा। इसमें 29 फीसदी योगदान तो महानदी का ही होगा। उन्होंने निर्यात के बारे में कहा कि पहले देश में बिजली और गैर-विनियमित क्षेत्रों की कोयले की मांग पूरी की जाएगी, ईंधन के लिए किए गए वादे पूरे गिए जाएंगे। उसके बाद ही निर्यता पर विचार किया जाएगा।

मारुति सुजुकी 10 लाख वाहन क्षमता का नया संयंत्र लगाएगी

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने कहा कि वह 10 लाख वाहनों की उत्पादन क्षमता वाले एक नए संयंत्र की स्थापना पर विचार कर रही है। घरेलू बाजार के साथ निर्यात की बढ़ती मांग पूरा करने के लिए यह संयंत्र लगाने की योजना है। एमएसआई के चेयरमैन आरसी भार्गव ने मार्च तिमाही के नतीजों की घोषणा के बाद एक वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में इस नए संयंत्र की स्थापना से जुड़ी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित संयंत्र इस समय हरियाणा के सोनीपत में निर्माणाधीन संयंत्र से अलग स्थापित किया जाएगा। हालांकि अभी नए संयंत्र पर किए जाने वाले निवेश और उसकी जगह के बारे में कोई फैसला नहीं हुआ है। लेकिन कंपनी के निदेशक मंडल ने 10 लाख वाहन उत्पादन की वार्षिक क्षमता वाला नया संयंत्र लगाने के प्रस्ताव को सिद्धांत रूप से स्वीकार कर लिया है। एमएसआई के मुताबिक नया संयंत्र चरणबद्ध तरीके से स्थापित किया जाएगा। इसे बाजार की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए क्रमशः विकसित किया जाएगा। दिग्गज वाहन कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में करीब 8,000 करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय करने का लक्ष्य रखा है। समाप्त वित्त वर्ष 2022-23 में इसने 6,300 करोड़ रुपए चिह्नित किए थे। कंपनी के पास मार्च, 2023 के ओ खिर में करीब 45,000 करोड़ रुपए की नकदी थी। मारुति फिलहाल करीब 11,000 करोड़ रुपये की लागत से सोनीपत के खरखोदा में अपना नया संयंत्र लगा रही है। करीब 2.5 लाख वाहन प्रति वर्ष की शुरुआती क्षमता वाले इस संयंत्र के 2025 तक शुरू होने की उम्मीद है। सोनीपत संयंत्र की कुल क्षमता 10 लाख वाहन की होगी।

आईपीएल में आज आमने-मामने होगी पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स

-धवन करेंगे वापसी, वुड नहीं खेलेंगे

मोहाली (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को पंजाब किंग्स अपने घरेलू मैदान पर लखनऊ सुपर जाइंट्स का मुकाबला करेगी। इस मैच में पंजाब को अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा पर सुपर जाइंट्स भी जीत के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। दोनो ही टीमों का प्रदर्शन इस सत्र में बराबर ही रहा है। दोनों टीमों ने सात में से चार-चार मैच जीते हैं ऐसे में उनके बीच प्लेऑफ की जंग कड़ी होती जा रही है।

लखनऊ टीम के कप्तान लोकेश राहुल के लिए ये मैच बेहद अहम रहेगा। इससे पहले गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में टीम 136 रन के आसान लक्ष्य को भी हासिल नहीं कर पायी थी। उस मैच में राहुल कम स्ट्राइक रेट होने के कारण भी निशाने पर आये थे। अब इस मैच में अगर उनका प्रदर्शन ऐसा ही रहता है तो उनके लिए एकदिवसीय विश्वकप में जगह बनाना मुश्किल हो जाएगा।

राहुल का स्ट्राइक रेट अभी तक 113.91 का रहा है जिसे उन्हें बढ़ना होगा।

इस मैदान पर अबतक सबसे ज्यादा स्कोर 200 रन रहा है। लखनऊ की टीम के पास राहुल के अलावा काइल मेयर्स, दीपक हुड्डा जैसे बल्लेबाज है पर मुख्य तेज गेंदबाज मार्क वुड के नहीं खेलने से उसकी गेंदबाजी कमजोर हुई है। वुड ने अब तक इस सत्र में उसकी जीत में अहम भूमिका निभाई है।

वहीं दूसरी ओर कप्तान शिखर धवन की पंजाब किंग्स को पिछले दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा था जिससे टीम का मनोबल गिरा हुआ है। ऐसे में टीम घरेलू मैदान पर हर हाल में जीत दर्ज करना चाहेगी। नियमित कप्तान शिखर धवन कंधे की चोट के कारण तीन मैच नहीं खेल सके पर वह इस मैच में वापसी करेंगे जिससे टीम की बल्लेबाजी मजबूत होगी।

पंजाब की टीम पिछली गलतियों से सबक लेते हुए इस बार कोई खतरा नहीं उठाएगी। उसके पास धवन के अलावा

शीर्षक्रम पर प्रभसिमरन सिंह और मैथ्यू शॉर्ट जैसे बल्लेबाज हैं हालांकि ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन के फार्म में नहीं होने से उसकी परेशानी बढ़ी है।

सैम कुरेन ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ कप्तानी करते हुए बेहतर प्रदर्शन किया था और वह उसे जारी रखना चाहेंगे। टीम की गेंदबाजी तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर निर्भर रहेगी। इसके अलावा टीम के पास कैगिसो रबाडा और नाथन एलिस जैसे अनुभवी गेंदबाज भी हैं। स्पिनर के तौर पर राहुल चाहर और ऋषि धवन हैं। इन गेंदबाजों का सामना करना सुपर जायंट्स के लिए आसान नहीं रहेगा। बहरहाल प्रशंसकों को रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

पंजाब किंग्स: शिखर धवन (कप्तान), अर्शदीप सिंह, बलतेज सिंह, राहुल चाहर, सैम कुर्रन, ऋषि धवन, नाथन एलिस, गुरनूर बराड़, हरप्रीत बराड़, हरप्रीत सिंह, विद्वाथ कावेरप्पा, लियाम लिविंगस्टोन, मोहित राठी, प्रभसिमरन सिंह, कागिसो रबाडा, भानुका राजपक्षे, एम शाहरुख खान, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम सिंह, मैथ्यू शॉर्ट, सिकंदर रजा, अथर्व तायडे।

लखनऊ सुपर जायंट्स: केएल राहुल (कप्तान और विकेटकीपर), काइल मेयर्स, दीपक हुड्डा, कुणाल पंड्या, अमित मिश्रा, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), नवीन उल हक, आयुष बडोनी, आवेश खान, करण शर्मा, युद्धवीर चरक, यश ठाकुर, रोमारियो शेफर्ड, मार्क वुड, स्वप्निल सिंह, मनन वोहरा, डेनियल सैम्स, प्रेरक मांकड़, कृष्णप्पा गौतम, जयदेव उनादकट, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई, मयंक यादव।

महिला क्रिकेटरों के लिए केन्द्रीय अनुबंध की घोषणा

-हरमनप्रीत, मंधाना व दीप्ति को ए ग्रेड, रिचा और जेमिमा को बी ग्रेड

-शिखा और तानिया बाहर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने महिला क्रिकेटरों के लिए 2022-23 सत्र के लिये सालाना केन्द्रीय अनुबंध की घोषणा कर दी है। ये अनुबंध 17 महिला क्रिकेटरों को मिले हैं। इसमें युवा विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष और जेमिमा रौड्रिग्स को बी ग्रेड में रखा गया है जबकि शिखा पांडे और तानिया भाटिया को इसमें जगह नहीं मिली है। अनुबंध अक्टूबर से सितंबर का होता है पर बीसीसीआई ने आज इसकी घोषणा की। इसमें ए ग्रेड खिलाड़ियों के लिए मैच फीस 50 लाख, बी के लिए 30 लाख और सी श्रेणी के लिए 10 लाख रूपये रखी गयी है। बीसीसीआई ने हाल ही में कहा था कि महिला और पुरुष क्रिकेट टीम को बराबर वेतन मिलेगा। ऐसे में अब महिलाओं को भी ए ग्रेड में 5 करोड़ सालाना, बी ग्रेड में 3 करोड़ सालाना और सी ग्रेड में 1 करोड़ सालाना दिए जाएंगे।

बोर्ड ने ए श्रेणी में केवल तीन खिलाड़ियों कप्तान हरमनप्रीत कौर, बल्लेबाज स्मृति मंधाना व ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को रखा है। वहीं स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ को बी श्रेणी में शामिल किया गया है, वहीं गत वर्ष वह ए श्रेणी में रहीं लेग स्पिनर पूनम यादव को इस बार अनुबंध नहीं मिला है। पूनम मार्च 2022 के बाद से ही टीम से बाहर हैं। यहां तक कि अनुभवी तेज गेंदबाज शिखा पांडे को भी अनुबंध नहीं मिला है। तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर को बी श्रेणी में रखा गया है।

ए श्रेणी : हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा बी श्रेणी : रेणुका ठाकुर, जेमिमा रौड्रिग्स, शेफाली वर्मा, रिचा घोष और राजेश्वरी गायकवाड़

सी श्रेणी : मेघना सिंह, देविका वैद्य, एस मेघना, अंजलि सरवानी, पूजा वस्त्राकर, स्नेह राणा, राधा यादव, हरलीन देयोल और यस्तिका भाटिया।

दिल्ली कैपिटल्स पार्टी में महिला से बदसलूकी मामने में कठोर कार्रवाई करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के इस 16 वें सत्र में खराब प्रदर्शन से परेशान दिल्ली कैपिटल्स के एक खिलाड़ी पर अब पार्टी में अश्लीलता का आरोप लगा है। कैपिल्स प्रबंधन ने इस मामले में दोषी खिलाड़ी पर कठोर कार्रवाई की बात कही है। यह मामला सनराइजर्स हैदराबाद पर जीत के बाद हुई एक निजी पार्टी का है। इसमें दिल्ली के एक खिलाड़ी ने किसी महिला के साथ बदसलूकी कर दी। इस खिलाड़ी का नाम अब तक सार्वजनिक नहीं किया गया है पर इस मामले को फ्रैंचाइजी ने गंभीर मानते हुए कठिर कार्रवाई की बाती की है। उसने टीम की छवि बनाये रखने पहले से ही सख्त नियम बनाये थे।

वहीं अब खिलाड़ी अपने करीबियों के साथ रात 10 बजे के बाद होटल के कमरे में नहीं ले जा सकते हैं। साथ ही अगर वह अपने मेहमानों से मिलना-जुलना चाहते हैं तो टीम होटल के रेस्तरां में या कॉफी शॉप में ही बैठ सकते हैं। अब खिलाड़ियों को किसी से मिलने के लिए होटल छोड़ने से पहले फ्रैंचाइजी अधिकारी को जानकारी देनी होगी। वहीं किसी आपात स्थिति में अगर कोई खिलाड़ी किसी को अपने कमरे में ले जाना चाहता है तो उसे पहले ही आईपीएल टीम इंटिग्रिटी अधिकारी को जानकारी देनी होगी। इसके साथ ही टीम प्रबंधन को एक फोटो पहचान पत्र भी पेश करना होगा। किसी भी नियम के उल्लंघन पर जुर्माना लगाया जाएगा। मामले की गंभीरता देखते हुए आरोपी खिलाड़ी का अनुबंध भी समाप्त किया जा सकता है हालांकि फ्रैंचाइजी, खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की पत्नियों और गर्लफ्रेंड्स को आईपीएल के दौरान टीम के साथ यात्रा करने की अनुमति देती है। नियम के अनुसार, खिलाड़ियों और सहायोगी स्टाफ को अपने पार्टनर्स का यात्रा खर्च खुद उठाना होता है। साथ ही परिवार के सदस्यों को दल में शामिल करने से पहले फ्रैंचाइजी अधिकारियों को भी जानकारी देनी होती है।

आखिर दामाद शाहीन से अफरीदी ने क्यों कहा, मुझे ससुर मत कहो, शादाब को भी दी नसीहत

लहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के स्टार तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी की बेटी अंशा से शादी की है। हालांकि, शाहिद अफरीदी यह नहीं चाहते के उनका दामाद उन्हें ससुर कहे। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान शाहिद ने मजाकिया अंदाज में शाहीन से आग्रह किया कि वह उन्हें 'ससुर' न कहें। दरअसल, दोनों एक टीवी कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे थे। शाहिद ने अपने फैसले का समर्थन करते हुए बताया कि उन्होंने हाल ही में एक क्रिकेट ट्रॉफी जीती है। गौरतलब है कि अफरीदी ने लीजेंड्स लीग क्रिकेट ट्रॉफी अपने नाम की थी। उनके नेतृत्व में, एशिया लायंस ने टूर्नामेंट के फाइनल मैच में वर्ल्ड जायंट्स को 7 विकेट से हरा दिया।

शाहिद ने समा टीवी पर एक इंटरव्यू के दौरान शाहीन से कहा, 'ससुर, तुम्हारे मुंह से मैं दोबारा ना सुनूं।' शाहिद ने कहा, 'तो अगर उसने ट्रॉफी (लाहौर कलंदर्स के लिए पीएसएल में) जीती है, तो मैंने कतर (लीजेंड्स लीग क्रिकेट) में भी ट्रॉफी जीती है।' शाहीन के नेतृत्व में, लाहौर कलंदर्स ने मार्च में अपने लगातार दूसरे पाकिस्तान सुपर लीग (क्फ्रु) खिताब का दावा करने के लिए मुल्तान सुल्तांस पर शानदार आखिरी गेंद पर जीत हासिल की। इसके तहत शाहीन बैक-टू-बैक पीएसएल खिताब जीतने वाले पहले कप्तान बने और मैच की अंतिम गेंद पर खुशदिल शाह के रन आउट होने के क्षण में जश्न मनाया गया।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने राष्ट्रीय टीम के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी के प्रदर्शन की आलोचना की, साथ ही ऑलराउंडर शादाब खान को सलाह भी दी। अफरीदी ने रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम टी20 मैच के बाद शाहीन को लेकर कहा कि मैच जीतने में लाइन और लेंथ में निरंतरता महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शाहीन ने मजबूत शुरुआत की, वह गलत क्षेत्रों में गेंदबाजी करते हुए लड़खड़ा गया, जब यह सबसे ज्यादा मायने रखता था। शादाब के बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ संघर्ष के बारे में भी बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युवा ऑलराउंडर को अपनी बल्लेबाजी पर गेंदबाजी कौशल को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि उन्हें टीम में अपनी जगह बनाए रखने के लिए गेंदबाजी में सुधार करने की कोशिश करनी चाहिए।

केकेआर के रॉय पर आचार संहित उल्लंघन के मामले में 10 फीसदी जुर्माना

कोलकाता। आचार संहिता उल्लंघन के मामले में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के आक्रामक बल्लेबाज जेसन रॉय पर मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल के 36वें मुकाबले में रॉय को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में आचारसंहिता उल्लंघन का दोषी पाए जाने के बाद मैच रेफरी ने ये सजा सुनाई। आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के अनुसार, रॉय ने लेवल एक का अपराध किया है। इसमें मैच रेफरी का फैसला अंतिम और सर्वामान्य होता है। आईपीएल की आचार संहिता का अनुच्छेद 2.2 खेल भावना के विपरित आचरण पर लगाया जाता है। रॉय ने इस मैच में आउट होने के बाद गुस्से में अपना बल्ला हवा में उछाल दिया था।

मुक्केबाज कौर सिंह का निधन, पंजाब के मुख्यमंत्री ने जताया शोक

चंडीगढ। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता मुक्केबाज कौर सिंह का कुरूक्षेत्र के एक अस्पताल में बृहस्पतिवार को निधन हो गया। वह 74 वर्ष के थे और विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। उन्होंने जनवरी 1980 में एक नुमाइशी मैच में महान मुक्केबाज मुहम्मद अली का सामना किया था। उन्होंने दिल्ली में 1982 एशियाई खेलों में हैवीवेट मुक्केबाजी में स्वर्ण पदक जीता था। कौर को 1982 में अर्जुन पुरस्कार और 1983 में पद्मश्री से नवाजा गया था। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, '' पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पूर्व ओलंपियन और अनुभवी मुक्केबाज कौर सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया है।' इससे पहले पंजाब सरकार ने इस महीने स्कूली पाठ्य पुस्तकों में पंजाब के चार महान खिलाड़ियों की जीवनी शामिल करने की घोषणा की थी जिनमें महान हॉकी खिलाड़ी बलबीर सिंह सीनियर, एथलीट मिल्खा सिंह, ओलंपियन गुरबचन सिंह रंधावा और कौर सिंह शामिल हैं।

विराट आईपीएल के इस सत्र में सबसे ज्यादा रनों के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंचे

बेंगलूर। आईपीएल के इस 16 वें सत्र में आरसीबी की कप्तानी कर रहे बल्लेबाज विराट कोहली ऑरेंज कैप की रेस में दूसरे नंबर पर बने हुए हैं। विराट इस सत्र में अब तक सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने अब तक आईपीएल के इस 16 वें सत्र के 8 मुकाबलों में 333 रन बनाये हैं। वह हालांकि पहले स्थान पर शायद ही पहुंच सकें क्योंकि दोनो के बीच अंतर काफी ज्यादा है। इस सत्र में अब तक सबसे ज्यादा रन उनकी ही टीम के बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस के नाम है। डु प्लेसिस ने अब तक 8 मुकाबलों में 422 रन बनाये हैं। डु प्लेसिस और कोहली के नाम इस आईपीएल में सबसे ज्यादा अर्धशतक भी हैं। इन दोनो ने ही अब तक पांच-पांच अर्धशतक लगाये हैं। इस प्रकार ये दोनो ही इस सत्र में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने के मामले में संयुक्त रुप से पहले स्थान पर हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम मई में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम अगले माह पांच मैचों की एक सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। भारतीय टीम का ये दौरा 18 मई को शुरू होकर 27 मई को समाप्त होगा। इससे भारतीय टीम को चीन में इसी साल होने होने वाले एशियाई खेलों की तैयारियों का अच्छा अवसर मिलेगा। इस दौरे में भारतीय टीम पहले तीन मैचों में ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय टीम और उसके बाद अंतिम दो मैचों में ऑस्ट्रेलियाई ए टीम से खेलेगी। ये सभी मैच एडिलेड में खेले जाएंगे। भारत अपना पहला मैच 18 मई को ऑस्ट्रेलिया से खेलेगा जबकि इसके बाद अगले दो मैच 20 और 21 मई को होंगे। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया ए से 25 और 27 मई को मैच खेलने हैं।

अभी विश्व रैंकिंग में भारतीय टीम आठवें स्थान पर जबकि ऑस्ट्रेलियाई महिला हॉकी टीम तीसरे नंबर पर है। वहीं चीन में एशियाई खेल इसी साल सितंबर अक्टूबर में होंगे। भारतीय टीम के कोच यानेके शोपमैन ने इस दौरे को लेकर उत्साहित हैं उन्होंने कहा, '' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर खेलने से हमें यह पता करने में सहायता मिलेगी कि हम दुनिया की शीर्ष महिला टीमों के खिलाफ किस हाल में हैं।'' उन्होंने कहा, '' सबसे अहम बात यह है कि यह सीरीज चीन में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारियों को देखते हुए बेहद अहम रहेगी क्योंकि इससे हमें यह पता करने में सहायता मिलेगी कि हमें किन विभागों में सुधार और बदलाव करने की जरूरत है। इसलिए यह सीरीज हमारे लिए बेहद अहम होगी।'' भारतीय टीम ने पिछले साल दिसंबर में एफआईएच महिला नेशंस कप में स्पेन को हराकर खिताब जीता था और अब उसी प्रदर्शन से प्रेरित लेकर वह बढ़े मनोबल के साथ ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी।

प्रीमियर लीग : लिवरपूल ने वेस्ट हैम को 2-1 से हराया

लंदन। प्रीमियर लीग फुटबॉल अंतिम चार में पहुंचने की उसकी राह भले ही दुश्वार हो लेकिन लिवरपूल ने हार नहीं मानी है। जर्गेन क्लोप की टीम ने वेस्ट हैम को 2 . 1 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। जोएल माटिप ने 67वें मिनट में हेडर पर निर्णायक गोल किया। इससे पहले लुकास पाकेटा ने 12वें मिनट में वेस्ट हैम को बढत दिलाई लेकिन कोडी गाकपो ने लिवरपूल के लिये छह मिनट बाद बराबरी का गोल किया। लिवरपूल अब छठे स्थान पर है लेकिन चौथे स्थान पर काबिज मैनचेस्टर युनाइटेड के उससे छह अंक अधिक है। अब उसे दो ही मैच और खेलने हैं।

डब्ल्यूटीसी फानल में जडेजा, शुभमन सहित इन खिलाड़ियों को मिल सकती है अंतिम ग्यारह में जगह

मुम्बई (एजेंसी)। इस साल जून में इंग्लैंड में होने वाली आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए भारतीय टीम के चयन के बाद अब सवाल ये उठता है कि अंतिम ग्यारह में किन खिलाड़ियों को अवसर मिलेगा। माना जा रहा है कि इस साल की शुरुआत से ही बेहतर प्रदर्शन करते आ रहे शुभमन गिल कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करेंगे।

वहीं नंबर-3 पर बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा खेलेंगी। पुजारा अभी इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट में व्यस्त हैं। वहीं नंबर 4 पर पूर्व कप्तान विराट कोहली उतरेंगे। वहीं विकेटकीपर के तौर पर के एस भरत और केएल राहुल में से किसी एक को अवसर मिल सकता है। अनुभवी होने के कारण राहुल को अवसर मिलना तय नजर आ रहा है क्योंकि भरत ने हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। राहुल के होने से टीम को एक बल्लेबाज भी मिल जाएगा।

वहीं ऑलराउंडर के तौर पर रवींद्र जडेजा का खेलना तय है। जडेजा ने सर्जरी के बाद वापसी करते हुए धमाकेदार प्रदर्शन किया है। तेज गेंदबाज के तौर पर मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज में से किसी एक को अवसर मिलना तय है। आईपीएल के इस सत्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सबको हैरान करने वाले बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को भी मध्यक्रम में अवसर मिल सकता है। इसके अलावा टीम के पास अक्षर पटेल और आर आर अश्विन जैसे स्पिनर हैं। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर, तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट और अनुभवी उमेश यादव में से किसी एक टीम को भी अवसर मिल मौका मिल सकता है। वहीं पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने अपनी अंतिम ग्यारह में शुभमन गिल, रोहित शर्मा, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे, केएल राहुल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, आर अश्विन, जयदेव उनादकट, मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी को रखा है।

स्पेनिश लीग : रायो से हारी बार्सीलोना, बढत में इजाफे से चूकी

मैड्रिड। रीयाल मैड्रिड की अप्रत्याशित हार के बाद बार्सीलोना के पास स्पेनिश लीग फुटबॉल में अपनी बढत में इजाफा करने का सुनहरा मौका था लेकिन टीम इससे चूक गई और रायो वालेकानो से 2 . 1 से हार गई। बार्सीलोना और दूसरे स्थान पर काबिज मैड्रिड के बीच 11 अंकों का अंतर है। अगर बार्सीलोना यह मैच जीत जाती तो 2019 के बाद पहला स्पेनिश लीग खिताब जीतने का उसका दावा पुख्ता हो जाता क्योंकि मैड्रिड को एक दिन पहले ही गिरोना ने 4 . 2 से हराया। मैड्रिड का फोकस मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ चैम्पियंस लीग सेमीफाइनल और ओसासुना के खिलाफ कोपा डेल रे फाइनल पर है। अब बार्सीलोना को रीयाल बेटिस और ओसासुना से खेलना है। रायो इस जीत के बाद नौवें स्थान पर है। उसके लिये 19वें मिनट में अलवारो गार्शिया और 53वें मिनट में फ्रान गार्शिया ने गोल दागे। बार्सीलोना के लिये एकमात्र गोल आखिरी क्षणों में रॉबर्ट लेवांडोवस्की ने किया। अन्य मैचों में एटलेटिको ने मालोरका को 3 . 1 से मात दी। वहीं अलमेरिया ने गेटाफे को 2 . 1 से हराया।

खिलाड़ियों के धरना पर बोले अनुराग ठाकुर, खेल और खिलाड़ी हमारे लिए प्राथमिकता, पीटी उषा का भी आया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया सहित देश के शीर्ष पहलवान लगातार जंतर-मंतर पर धरना दे रहे हैं। इसको लेकर राजनीति भी खुब हो रही है। अब इसी पर केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के लिए खेल और खिलाड़ी हमेशा प्राथमिकता रहें हैं और उन्होंने ना कभी खिलाड़ियों की सुविधाओं के साथ समझौता किया है और ना कभी करेंगे। अपने बयान में ठाकुर ने कहा कि कुछ खिलाड़ी अगर आज जंतर-मंतर पर बैठे हैं उनके साथ किसने बात की? मैं 12 घंटे उनके साथ बैठा। उनकी बात सुनी, कमेटी बनाई, हम निष्पक्ष जांच चाहते थे। इनके कहने पर बबीता फोगाट को कमेटी में शामिल किया गया।

भाजपा नेता ने आगे कहा कि हर किसी को अपनी बात रखने का मौका दिया गया....किसी भी थाने में कोई भी स्न्रढ्डक्र दर्ज़ करवा सकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने कहा कि प्राथमिक जांच के बाद आगे की कार्रवाई करेंगे। मोदी सरकार हमेशा खिलाड़ियों के साथ खड़ी रही है। हमारे लिए खेल प्राथमिकता है, जिसके साथ हम कोई समझौता नहीं करेंगे। ठाकुर ने कहा कि निगरानी समिति की 14 बैठकें हुईं और किसी को भी सुनवाई के लिए आने से कभी नहीं रोका गया। वहीं, पूरे मामले पर भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें कोई समस्या है तो उन्हें हमारे पास आना चाहिए था, हमसे बात करनी चाहिए थी। हमारे पास आने की बजाय वे सड़क पर उतर गए हैं, ये खेल के लिए अच्छा नहीं है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सड़कों पर प्रदर्शन अनुशासनहीनता है और इससे देश की छवि खराब हो रही है।

आईओए अध्यक्ष के बयान पर बजरंग पूनिया ने कहा कि हमें आईओए अध्यक्ष पीटी उषा से ऐसे कड़े जवाब की अपेक्षा नहीं थी, हमें उम्मीद थी कि वह हमारा साथ देंगी। आईओए ने कुश्ती महासंघ के कामकाज के संचालन के लिये चुनाव होने तक एक तदर्थ समिति का गठन किया है जिसमें पूर्व निशानेबाज सुमा

शिरूर, भारतीय वुशू संघ के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह बाजवा और उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत न्यायाधीश हैं जिनका नाम अभी तय नहीं हुआ है।

आंद्रीवा की पहली जीत, राडुकानू ने नाम वापिस लिया

मैड्रिड। रूस की 15 वर्षीय मिरा आंद्रीवा ने डब्ल्यूटीए टूर पर पहली जीत दर्ज करते हुए पूर्व अमेरिकी ओपन उपविजेता लैला फर्नांडिस को 6 . 3, 6 . 4 से हराकर मैड्रिड ओपन के अगले दौर में जगह बनाई। कोको गॉ और सिसि बेलिस के बाद डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट का मुख्य ड्रॉ का मैच जीतने वाली वह तीसरी सबसे युवा खिलाड़ी बन गई। इसके अलावा शीर्ष 50 में शामिल किसी खिलाड़ी को हराने वाली 15 वर्ष की दूसरी खिलाड़ी भी बन गई। अब उसका सामना 13वीं वरीयता प्राप्त ब्राजील की बिया हदाद माइया से होगा। ब्रेंडा फ्रूविर्तोवा को अन्ना कालिंस्काया ने 2 . 6, 6 . 4, 6 . 4 से हराया लेकिन उससे एक साल बड़ी उसकी बड़ी बहन 17 वर्षीय लिंडा ने कैटी वोलिनेट्स को 6 . 3, 7 . 5 से मात दी। अब उसका सामना फ्रेंच ओपन 2017 चैम्पियन येलेना ओस्टापेंको से होगा। पूर्व अमेरिकी ओपन चैम्पियन एम्मा राडुकानू ने दाहिने हाथ की चोट के कारण नाम वापिस ले लिया। उनकी जगह 'लकी लूजर' जूलिया ग्राबेर ने ली जिसने विक्टोरिया तोमोवा को 6 . 1, 7 . 6 से हराया। अमेरिका की स्लोएने स्टीफेंस को जाकलिन क्रिस्टियन ने 5 . 7, 6 .4, 6.4 से हराया जबकि यूजीनी बूचार्ड ने डायना वाय को 6 . 7, 6 . 2, 6 . 2 से मात दी।

सेहत के लिए बेहद लाभदायक है नींबू पानी

नींबू पानी को अगर देशी कोल्ड्रिंक कहा जाए, तो इसमें कुछ गलत नहीं होगा। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर यह पेय सेहत और सौंदर्य से जुड़े इतने फायदे देता है, जितने आप सोच भी नहीं सकते। जानिए नींबू पानी के कुछ ऐसे ही फायदे जो आपकी सेहत के लिए बेहद लाभदायक हैं -

नींबू विटामिन सी का बेहतर स्त्रोत है। साथ ही, इसमें विभिन्न विटामिन्स जैसे थियामिन, रिबोफ्लोविन, नियासिन, विटामिन बी- 6, फोलेट और विटामिन-ई की थोड़ी मात्रा मौजूद रहती है। यह खराब गले, कब्ज, किडनी और मसूड़ों की समस्याओं में राहत पहुंचाता है। साथ ही ब्लड प्रेशर और तनाव को कम करता है। त्वचा को स्वस्थ बनाने के साथ ही लिवर के लिए भी यह बेहतर होता है। पाचन क्रिया, वजन संतुलित करने और कई तरह के कैंसर से बचाव करने में नींबू पानी मददगार होता है। नींबू पानी में कई तरह के मिनरल्स जैसे आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, पोटैशियम और जिंक पाए जाते हैं।

किडनी स्टोन

नींबू पानी का स्वास्थ्य पर पड़ने वाला सबसे महत्वपूर्ण फायदा है, इसका किडनी स्टोन से राहत पहुंचाना। मुख्यरूप से किडनी स्टोन शरीर से बिना किसी परेशानी के निकल जाता है, लेकिन कुछ मामलों में यह यूरीन के बहाव को ब्लॉक कर देते हैं जो अत्यधिक पीड़ा का कारण बनता है। नींबू पानी पीने से शरीर को रिहाइड्रेट होने में मदद मिलती है और यह यूरीन को पतला रखने में मदद करता है। साथ ही यह किडनी स्टोन बनने के किसी भी तरह के खतरे को कम करता है।

डायबिटीज

नींबू पानी, हाई शुगर वाले जूस व ड्रिंक का बेहतर विकल्प माना जाता है। खासतौर से उनके लिए जो डायबिटीज के मरीज हैं या वजन कम करना चाहते हैं। यह शुगर को गंभीर स्तर तक पहुंचाए बिना शरीर को रिहाइड्रेट व एनर्जाइज करता है।

पाचनक्रिया में फायदेमंद

नींबू पानी में मौजूद नींबू का रस हाइड्रोक्लोरिक एसिड और पित्त सिक्रेशन के प्रोडक्शन में वृद्धि करता है, जो पाचन के लिए आवश्यक है। साथ ही यह एसिडिटी और गठिया के खतरे को भी कम करता है। जो लोग आमतौर पर पाचन-संबंधी समस्याओं जैसे एबडॉमिनल क्रैम्प्स, ब्लॉटिंग, जलन और गैस की समस्या आदि से परेशान होते हैं, उन्हें नियमित रूप से नींबू पानी का सेवन करना चाहिए।

कब्ज

अगर आपको कब्ज की समस्या है, तो नींबू पानी आपके लिए बेहद फायदेमंद है। प्रतिदिन सुबह गर्म नींबू पानी पिएं और पूरे दिन कब्ज की समस्या से दूर रहें।

इम्यून सिस्टम

नींबू पानी बायोफ्लेवोनॉयड, विटामिन सी और फाइटोन्यूट्रियंट्स का बेहतर स्रेत है जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की शक्ति बढ़ाने में मदद करता है। इसमें मौजूद आवश्यक विटामिन्स और मिनरल्स के कारण यह शरीर के एनर्जी लेवल को बढ़ाने में मदद करता है।

खराब गला

नींबू पानी को गुनगुना करके पीने से गले की खराबी या फैरिन्जाइटिस में आराम पहुंचाता है।

वजन

हर सुबह शहद के साथ गुनगुना नींबू पानी पीने से अतिरिक्त वजन आसानी से कम किया जा सकता है।

मसूड़ों की समस्या

नींबू पानी पीने से मसूड़ों से संबंधित समस्याओं से राहत मिलती है। नींबू पानी में एक चुटकी नमक मिलाकर पीने से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार तेज भूख लगने पर कभी खाली पेट न खाएं ये चीजें

कभी-कभी ऐसा होता है कि हमें बहुत तेज भूख लग जाती है और हम उस वक्त हमें जो भी उपलब्ध होता है, वो खाने लग जाते हैं लेकिन ऐसा करना आपके लिए घातक हो सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक तेज भूख लगने पर कुछ ऐसी चीजें है, जिन्हें नहीं खाना चाहिए।आइए, जानते हैं कौन-सी हैं वो चीजें-

अमरुद

अमरुद एक ऐसा फल है, जिसे अलग-अलग स्थितियों में खाने पर अलग-अलग परिणाम देखने को मिलते हैं यानी अगर आप सर्दियों में सुबह के वक्त खाली पेट अमरुद खाएंगे, तो आपको पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। वहीं, गर्मी में खाली पेट अमरूद खाएंगे, तो यह फायदा देता है। ऐसे में आपको खाली पेट अमरूद नहीं खाना चाहिए।

सेब

सर्दियों में खाली पेट सेब खाने से बीपी बढ़ सकता है, अगर सुबह सबसे पहले यानी बिना कुछ खाए आप सेब खा लेते हैं, तो इस दिक्कत का सामना आपको करना पड़ सकता है लेकिन गर्मी में आप खाली पेट सेब खा सकते हैं।

टमाटर

टमाटर की तासीर गर्म होती है। इसे आप सर्दी के मौसम में तो खाली पेट खा सकते हैं लेकिन गर्मी के मौसम में ऐसा करने पर पेट में या सीने में जलन की समस्या हो सकती है। आपको सुबह के समय टमाटर खाने से परहेज करना चाहिए।

चाय-कॉफी

चाय या कॉफी को खाली पेट पीने से बचना चाहिए।आप चाय या कॉफी को बिस्किट, ब्रेड के साथ ले सकते हैं लेकिन खाली पेट या तेज भूख लगने पर सिर्फ चाय-कॉफी न लें, इससे आपके पेट में गैस बन सकती है।

दही

बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें दही फायदे की जगह पर हानि पहुंचा देती है।ऐसे में दही को सुबह के समय खाली पेट खाने से बचना चाहिए, वर्ना आपकी सेहत बिगड़ सकती है।

अमृत है आंवला 10 बेहतरीन फायदे

विटामिन-सी से भरपूर आंवला, हर मौसम में लाभदायक होता है। यह आंखों, बालों और त्वचा के लिए तो फायदेमंद है ही, साथ ही इसके और भी कई फायदे हैं, जो आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। आमतौर पर आंवले का प्रयोग अचार, मुरब्बा या चटनी के रूप में किया जाता है,लेकिन इसका अलग-अलग तरह से सेवन आपके लिए बेहद उपयोगी है। अगर आप नहीं जानते इस अनमोल फल के बारे में तो जरूर पढ़िए -

- डायबिटीज के मरीजों के लिए आंवला बहुत काम की चीज है। पीड़ित व्यक्ति अगर आंवले के रस का प्रतिदिन शहद के साथ सेवन करे तो बीमारी से राहत मिलती है।
- एसिडिटी की समस्या होने पर आंवला बेहद फायदेमंद होता है। आंवला का पाउडर, चीनी के साथ मिलाकर खाने या पानी में डालकर पीने से एसिडिटी से राहत मिलती है। इसके अलावा आंवले का जूस पीने से पेट की सारी समस्याओं से निजात मिलती है।
- पथरी की समस्या में भी आंवला कारगर उपाय साबित होता है। पथरी होने पर 40 दिन तक आंवले को सुखाकर उसका पाउडर बना लें, और उस पाउडर को प्रतिदिन मूली के रस में मिलाकर खाएं। इस प्रयोग से कुछ ही दिनों में पथरी गल जाएगी।
- रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर, प्रतिदिन आंवले के रस का सेवन करना काफी लाभप्रद होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है, और खून की कमी नहीं होने देता।
- आंखों के लिए आंवला अमृत समान है, यह आंखों की रौशनी को बढ़ाने में सहायक होता है। इसके लिए रोजाना एक चम्मच आंवला के पाउडर को शहद के साथ लेने से लाभ मिलता है और मोतियाबिंद की समस्या भी खत्म हो जाती है।
- बुखार से छुटकारा पाने के लिए आंवले के रस में छौंक लगाकर इसका सेवन करना चाहिए, इसके अलावा दांतों में दर्द और कैविटी होने पर आंवले के रस में थोड़ा सा कपूर मिला कर मसूड़ों पर लगाने से आराम मिलता है।
- शरीर में गर्मी बढ़ जाने पर आंवल सबसे बेहतर उपाय है। आंवले के रस का सेवन या आंवले को किसी भी रूप में खाने पर यह ठंडक प्रदान करता है। हिचकी तथा उल्टी होने की पर आंवले के रस को मिश्री के साथ दिन में दो-तीन बार सेवन करने से काफी राहत मिलेगी।
- याददाश्त बढ़ाने में आंवला काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए सुबह के समय आंवला के मुरब्बा गाय के दूध के साथ लेने से लाभ होता है, इसके अलावा आप प्रतिदिन आंवले के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- चेहरे के दाग-धब्बे हटाकर उसे खूबसूरत बनाने के लिए भी आंवला आपके लिए उपयोगी होता है। इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा साफ, चमकदार होती है और झुर्रियां भी कम हो जाती हैं।
- बालों को काला, घना और चमकदार बनाने के लिए आंवले का प्रयोग होता है, इसके पाउडर से बाल धोने या फिर इसका सेवन करने से बालों की समस्याओं से निजात मिलती है

नाश्ते में इन पांच चीजों को खाने से तेजी से बढ़ता है वजन, ज्यादातर लोग करते हैं सेवन

फिटनेस पाने के लिए लोग क्या-क्या जतन करते हैं। कई सर्वे के अनुसार आप शरीर पर चर्बी होने के कारण कई बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। ऐसे में आपको बैली फैट कम करने के साथ फिट रहने की कोशिश करनी चाहिए। खुद को फिट रखने में ब्रेकफॉस्ट का भी अहम रोल होता है, ऐसे में आपको अगर हमेशा स्लिम ट्रिम रहना है, तो ऐसी 5 चीजें हैं, जो आपको नाश्ते में बिल्कुल नहीं खानी चाहिए-

वाइट ब्रेड - ब्रेड ज्यादातर भारतीय घरों में खाई जाती है लेकिन आपको बता दें कि ब्रेड का ज्यादा सेवन करना न सिर्फ आपकी सेहत को नुकसान पहुंचाता है बल्कि इससे आपका वजन भी बढ़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि वाइट की जगह ब्राउन ब्रेड का सेवन करे।

प्रोसेस्ड फूड - ऐसे खाद्य पदार्थों को कई बार पकने की क्रिया से गुजरना पड़ता है। साथ ही तेल, मसाले, घी होने की वजह से ये सेहत के लिए भी अच्छे नहीं होते। आपको चिप्स, पॉपकॉर्न, ड्राई फ्रूट्स, स्नैक्स आदि से दूर रहना चाहिए।

केक, कुकीज - केक और कुकीज में मैदे के अलावा घी और क्रीम का इस्तेमाल होता है, जो आपकी फिटनेस के हिसाब से बिल्कुल भी सही नहीं है इसलिए आपको नाश्ते में इन चीजों को नहीं खाना चाहिए।

नूडल्स - नूडल्स खाने में तो बहुत अच्छे लगते हैं लेकिन इसे हेल्दी ब्रेकफॉस्ट नहीं माना जा सकता है, इसी वजह से आपको नूडल्स नाश्ते में बिल्कुल नहीं खाने चाहिए।

फ्रूट जूस - आपको कोशिश करनी चाहिए कि मार्केट में उपलब्ध फ्रूट जूस बिल्कुल न पिएं बल्कि आप घर में ही फलों का जूस निकालकर पी सकते हैं। आपके पास अगर जूस की जगह फल खाने का समय है, तो नाश्ते के लिए सबसे बेहतरीन रहेगा।

पकौड़े-कचौड़ी - सुबह-सुबह तली चीजें खाना बिल्कुल भी सही नहीं है। आप पकौड़े और कचौड़ी जैसी तली हुई चीजें सुबह नहीं खाएंगे, तो आपकी सेहत के लिए अच्छा रहेगा।

आंखों को थकान से राहत देगा गुलाब जल, कम होगा तनाव

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल न केवल आपके पूरे स्वास्थ्य पर असर डालता है बल्कि इसका असर आपकी नाजुक आंखों पर भी पड़ता है।

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं इसी के साथ ही मोबाइल के संपर्क में भी हम ज्यादा रह रहे हैं जिससे आंखों में जलन, धुंधला दिखना व खुजली जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी आंखों की देखभाल करें और जब भी आंखों पर दबाव महसूस करें तो स्क्रीन से दूर हो जाएं और बीच-बीच में आंखों को ठंडे पानी से भी धोते रहें। आंखों की जलन की परेशानी ज्यादा बढ़ जाती है। भले ही इस वक्त आप घर पर हैं लेकिन आंखों में जलन आप महसूस करते होंगे। इसलिए इन समस्याओं से निजात पाने के लिए आपको अपनी आंखों की सही देखभाल की जरूरत है, वहीं गुलाब जल का इस्तेमाल आपको आंखों की समस्या से निजात दिला सकता है। गुलाब जल के इस्तेमाल से आंखों को ठंडक मिलती है, साथ ही ताजगी महसूस होती है। ओवरटाइम काम करने के दौरान आंखों में तनाव महसूस होता है इसके लिए खुद को रिलेक्स करना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप कॉटन में गुलाब जल डालें और इसे अपनी आंखों पर रखकर कुछ देर के लिए आंखों को आराम दें। गुलाब जल को आंखों में डालने से भी तुरंत राहत मिलती है, साथ ही फ्रेश महसूस होता है। अत : अपने आंखों का ध्यान रखें और समय-समय पर अपनी पलकों को झपकाते रहें।

कैसे पहचानें कि इम्यून सिस्टम है कमजोर

इम्यून सिस्टम के मजबूत होने पर हम बीमारियों से लड़ सकते हैं। यदि हमारा इम्यून सिस्टम मजबूत है तो बीमारी हम पर हावी नहीं हो सकती। अगर हमारी इम्यूनिटी मजबूत है तो यह हमें न सिर्फ सर्दी और खांसी से बचाती है बल्कि हैपेटाइटिस, लंग इंफेक्शन, किडनी इंफेक्शन सहित और कई बीमारियों से हमारा बचाव होता है। लेकिन हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर है तो हम इसको कैसे पहचान सकते हैं, क्योंकि कई बार यह होता है इम्यून सिस्टम कमजोर तो होता है, पर हम इसे समझ ही नहीं पाते। आखिर कैसे पहचान करें कि आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है, आइए जानते हैं।

अगर आपको लगता है कि आप बार-बार बीमार हो रहे हैं और जुकाम की शिकायत रहती है। बार-बार सर्दी हो जाना और यदि आपके आस-पास ऐसा कोई व्यक्ति है जिसे खांसी है और आपको भी इससे जल्दी खांसी या सर्दी हो जाती है तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। बदलते मौसम का आपको बीमार करना आपके कमजोर इम्यून सिस्टम को दर्शाता है। यदि आप मौसम के बदलने पर बीमार हो रहे हैं तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। व्यायाम करते समय सांसों का फूलना व जल्दी थक जाना यह कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। नींद न आना, आंखों के नीचे काले घेरे, थकान महसूस होना- यह भी कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की अपेक्षा बार-बार बीमार होते हैं, जुकाम की शिकायत रहती है, खांसी, गला खराब होना या स्किन रैशेज जैसी समस्याएं रहती हैं तो बहुत पॉसिबल है कि यह आपके इम्यून सिस्टम की वजह से हो। कैंडिडा टेस्ट का पॉजिटिव होना, बार-बार यूटीआई, डायरिया, मसूड़ों में सूजन, मुंह में छाले वगैरह भी खराब इम्यूनिटी के लक्षण हैं।

भारत की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से मांग, वीटो अधिकार समाप्त कर दिए जाएं

जिनेवा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग कर कहा है कि या तब वीटो अधिकार समाप्त कर दिए जाएं या परिषद का पुनर्गठन कर नए स्थायी सदस्यों को भी दिए जाएं। भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन के काउंसलर प्रतीक माथुर ने महासभा में कहा, या तब मतदान के अधिकार के संदर्भ में सभी देशों के साथ समान व्यवहार किया जाए या फिर नए स्थायी सदस्यों को भी वीटो दिया जाना चाहिए। उन्होंने स्थायी सदस्यता के विस्तार के खिलाफ कुछ देशों द्वारा दिए गए तर्कों का जवाब देकर कहा, हमारे विचार में, नए सदस्यों को वीटो का अधिकार विस्तारित परिषद की प्रभावशीलता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सुधारों के लिए अंतर-सरकारी वार्ताओं (आईजीएन) में स्पष्ट रूप से परिभाषित समय-सीमा के माध्यम से परिषद के व्यापक सुधार के हिस्से के रूप में वीटो के प्रश्न का समाधान किया जाना चाहिए। आईजीएन वास्तव में रुक गया है, क्योंकि देशों के एक छोटे समूह ने प्रगति को रोकने के लिए प्रक्रिया में हेरफेर किया है। माथुर ऐतिहासिक संकल्प की पहली वर्षगांठ पर आयोजित बहस में बोल रहे थे, इसके लिए परिषद में वीटो डाले जाने के दस दिनों के भीतर चर्चा की आवश्यकता थी। जबकि सभा परिषद में वीटो को ओवरराइड नहीं कर सकती है, चर्चा करके यह वीटो करने वालों पर नैतिक दबाव लाने या उन्हें दुनिया के सामने उजागर करने की उम्मीद करती है।

मकान मालिक के बिना कपड़े धूप सेंकने का किराये से कोई लेनादेना नहीं : कोर्ट

बर्लिन। मकान मालिक द्वारा बिना कपड़े के धूप सेंकने का किराए से कोई लेनादेना नहीं है, किराया पूरा देना होगा। यह निर्णय जर्मनी की एक अदालत ने ?दिया है। अदालत ने एक मामले में फैसला सुनाते हुए कहा कि एक मकान मालिक के अपनी बिल्डिंग के आंगन में बिना कपड़ों के धूप सेंकने से उसके किराएदार अपने किराए को कम नहीं कर सकते हैं। मामला जर्मनी के फ्रैंकफर्ट शहर की एक बिल्डिंग से जुड़ा है जिसमें एक ह्यूमन रिसोर्स कंपनी ने एक ऑफिस फ्लोर किराए पर लिया है। विवाद तब खड़ा हुआ जब कंपनी ने कई अन्य शिकायतों के साथ-साथ मकान मालिक के नग्न होकर धूप सेंकने पर आपत्ति जताते हुए किराए पर रोक लगा दी। कंपनी की तरफ से किराया न मिलने पर मकान मालिक ने अदालत का रुख किया। ले?किन फ्रैंकफर्ट कोर्ट ने कंपनी के तर्क को खारिज कर दिया। अदालत ने पाया कि किराए की प्रॉपर्टी की उपयोगिता वादी (मकान मालिक) की ओर से खुद को आंगन में नग्न करने से प्रभावित नहीं हुई थी। कोर्ट ने कहा कि उसे संपत्ति पर कोई अस्वीकार्य और अनुचित प्रभाव दिखाई नहीं दे रहा है। जज निचली अदालत के उस फैसले के खिलाफ अपील पर फैसला सुना रहे थे जो मकान मालिक के पक्ष में सुनाया गया था। इस फैसले में कंपनी को सिर्फ सीमित राहत दी गई। कोर्ट ने पाया कि पड़ोस में शोर-शराबे वाले निर्माण कार्य के कारण किराएदार सिर्फ तीन महीने के किराए को कम करने का हकदार है। कोर्ट ने कहा कि जिस जगह पर मकान मालिक धूप सेंक रहा था, वह जगह किराए के दफ्तर की खिड़की से काफी दूर झुककर ही देखी जा सकती थी। यह भी कहा गया कि किराएदार यह भी साबित करने में विफल रहा कि वह सीढ़ियों का इस्तेमाल करके आंगन में गया था। इस आरोप के जवाब में मकान मालिक ने कहा कि उसने एक बाथरोब पहना था जिसे उसने सिर्फ सन लाउंजर से ठीक पहले उतार दिया था।

पूर्वी कांगो के कई गांवों में 60 लोगों के शव मिले

किन्शासा। पूर्वी कांगो के उत्तरी किवु प्रांत के कई गांवों में कम से कम 60 लोगों के शव मिले हैं। बविटो क्षेत्र के डिप्टी गवर्नर इसहाक किबिरा ने कहा कि एम-23 समूह के विद्रोहियों ने कशाली और कजारोहो गांवों के लोगों पर कई दिनों तक हमले कर उन्हें मार डाला। स्थानीय अधिकारी ने कहा, हमें यह देखकर दुख होता है, कि कैसे एम-23 समूह द्वारा आम लोगों का नरसंहार किया जा रहा है। साठ लोगों से अधिक के शव मच्छरदानी से बंधे हुए थे। अन्य लोगों के शवों को बैग से बांधा गया था। एम-23 विद्रोही समूह मुख्य रूप से कांगो के जातीय तुत्सी समुदाय के लोगों से बना है। यह समूह बीते 10 साल के दौरान मजबूत हुआ है। इसके लड़ाकों ने रवांडा की सीमा पर पूर्वी कांगो के सबसे बड़े शहर गोमा पर कब्जा कर लिया था।

चेरनोबिल परमाणु दुर्घटना में मारे गए लोगों को दी श्रद्धांजलि

कीव। यूक्रेन ने चेरनोबिल परमाणु दुर्घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी है। यहां परमाणु ऊर्जा संयंत्र में 1986 में हुई दुर्घटना की 37वीं बरसी पर आपदा स्थल पर एक स्मारक समारोह आयोजित किया। समारोह के दौरान, यूक्रेनी पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधन मंत्री रुस्लान स्ट्राइलेट्स ने एक्सक्लूजन जोन के कर्मचारियों के साथ मिलकर आपदा के बाद संयंत्र में सफाई कार्यों में शामिल लोगों को श्रद्धांजलि दी। एक मी?डिया रिपोर्ट के अनुसार, समारोह में भाग लेने वालों ने हादसे में मारे गए लोगों के स्मारक पर फूल भी चढ़ाए। समारोह के बाद, मीडिया प्रतिनिधियों ने नष्ट हुए रिएक्टर के ऊपर न्यू सेफ कन्फाइनमेंट (एनएसई) का दौरा किया, जिसे जुलाई 2019 में चालू किया गया था। यहां पर पत्रकारों ने एनएससी के नियंत्रण कक्ष और निगरानी प्रणालियों का अवलोकन किया। निगरानी प्रणालियों के अनुसार, क्षेत्र में विकिरण का स्तर सुरक्षित सीमा के भीतर है। गौरतलब है कि 26 अप्रैल, 1986 को, कीव से लगभग 110 किमी उत्तर में चेरनोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र में विस्फोट हो गया था। इससे यूक्रेन, बेलारूस, रूस और अन्य यूरोपीय देशों में विकिरण फैल गया था। इसके बाद संयंत्र के आसपास के 30 किलोमीटर के दायरे से लोगों को हटा दिया गया था।

पाकिस्तान के सिंध में ट्रेन में आग लगी, सात लोगों की मौत

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक एक्सप्रेस यात्री ट्रेन के एक डिब्बे में आग लग जाने से तीन बच्चों एवं एक महिला समेत कम से कम सात लोगों की मौत हो गयी। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीती रात कराची से लाहौर जा रही कराची-एक्सप्रेस के बिजनेस क्लास डिब्बे में आग लगी। रेलवे के प्रवक्ता मकसूद कुंडी ने बताया कि यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि डिब्बे में आग कैसे लगी। उन्होंने बताया कि आग लगने के बाद उस डिब्बे को ट्रेन से अलग कर दिया गया। कुंडी ने कहा, ''इस घटना में तीन बच्चों समेत सात लोगों की मौत हो गई। इस घटना में एक महिला की भी जान चली गयी। रेल मंत्रालय ने इसकी उच्च स्तरीय जांच का आदेश दिया है।'' उन्होंने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही ट्रेन को नजदीकी स्टेशन पर रोक दिया गया और अग्निशमन शमन विभाग को आपात कार्रवाई के लिए सूचित किया गया। उन्होंने बताया कि देर रात एक बजकर करीब 50 मिनट पर दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और 40 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया।

यूजर्स अब अपने व्हाट्सएप अकाउंट को कई फोन पर इस्तेमाल सकेंगे

सैन फ्रांसिस्को। मेटा के स्वामित्व वाले व्हाट्सएप ने घोषणा की है कि उपयोगकर्ता अब अपने मल्टी-डिवाइस लॉगिन फीचर के माध्यम से एक से अधिक फोन पर एक ही व्हाट्सएप खाते का उपयोग कर सकेंगे। उपयोगकर्ता अब अपने फोन को चार अतिरिक्त उपकरणों में से एक के रूप में लिंक कर सकते हैं। कंपनी ने कहा कि यह अपडेट वैश्विक स्तर पर उपयोगकर्ताओं के लिए शुरू हो गया है और आने वाले हफ्तों में सभी के लिए उपलब्ध होगा। व्हाट्सएप ने मंगलवार को एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, उपयोगकर्ताओं द्वारा अत्यधिक अनुरोध किए जाने वाले फीचर, अब आप अपने फोन को चार अतिरिक्त उपकरणों में से एक के रूप में लिंक कर सकते हैं, ठीक उसी तरह जब आप वेब ब्राउजर, टैबलेट और डेस्कटॉप पर व्हाट्सएप से लिंक करते हैं। इसके अलावा, उपयोगकर्ता अब साइन आउट किए बिना फोन के बीच स्विच कर सकते हैं और अपनी चैट वहीं से शुरू कर सकते हैं जहां उन्होंने छोड़ा था। कंपनी ने उल्लेख किया कि इसके अलावा, यदि आप एक छोटे व्यवसाय के ऑनर हैं, तो अतिरिक्त कर्मचारी अब उसी व्हाट्सएप बिजनेस अकाउंट के तहत ग्राहकों को सीधे अपने फोन से जवाब दे पाएंगे। इसके अलावा, कंपनी ने कहा कि आने वाले हफ्तों में, वह सहयोगी उपकरणों से लिंक करने के लिए एक वैकल्पिक और अधिक सुलभ तरीका पेश करेगी। व्हाट्सएप ने कहा, अब आप एक बार कोड प्राप्त करने के लिए व्हाट्सएप वेब पर अपना फोन नंबर दर्ज कर सकते हैं।

वेटिकन के सेंट पीटर्स स्क्वायर में पोप फ्रांसिस एक कार्यक्रम के बाद वापस आते हुए।

भारत सुरक्षित मित्र के तौर पर रूस की ओर देखे, इसकी संभावना नहीं : खन्ना

वाशिंगटन। अमेरिका में कांग्रेस (संसद) के भारतवंशी सदस्य रो खन्ना ने कहा है कि यूक्रेन में जंग के मद्देनजर रूस के चीन के साथ करीबी रिश्तों को देखते हुए इस बात की संभावना नहीं है कि भारत रूस की ओर एक सुरक्षित मित्र के तौर पर देखेगा। खन्ना ने पत्रकारों के एक समूह के साथ चर्चा के दौरान कहा कि कांग्रेस में भारतीय अमेरिकियों का लक्ष्य रिश्तों को और गहरा करने पर होना चाहिए। उन्होंने कहा ?कि मैं नहीं समझता कि रूस और चीन के बीच करीबी रिश्तों को देखते हुए भारत एशिया में अपनी सीमा पर संभावित हमले से बचाव के लिए रूस को एक सुरक्षित दोस्त के तौर पर देखेगा। वे जानते हैं कि उस लक्ष्य के लिए अमेरिका अधिक विश्वस्त साझेदार है। खन्ना ने कहा कि चीन के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ बचाव के मामले में अमेरिका के साथ अधिक मजबूती से जुड़ना भारत के हित में है। उनके मुताबिक, यह भारत की विदेश नीति का एक अहम कारक रहा है। खन्ना ने कहा कि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर साफ कर चुके हैं कि इसका मतलब यह नहीं है कि वे अमेरिका में हमारे हितों के अनुरूप चलेंगे लेकिन फिलहाल हमसे जुड़ना चाहते हैं, क्योंकि वे इसे रणनीतिक रूप से अहम मानते हैं। क्वाड के साझेदार देशों के विपरीत भारत ने यूक्रेन पर रूस के हमले की निंदा नहीं की है और उसने रूस के हमले के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र के मंचों पर लाए गए प्रस्तावों पर मतदान में हिस्सा भी नहीं लिया। खन्ना कांग्रेशनल इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष के तौर पर अपनी तरह के पहले अमेरिका-भारत सम्मेलन की मेज़बानी कर रहे हैं।

आज के भारत के पास चुनौतीपूर्ण मुद्दों का समाधान करने की क्षमता: जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि दुनिया नए भारत की क्षमताओं और उसके योगदान को पहचान रही है, तथा यह भावना प्रबल है, कि आज के भारत के पास चुनौतीपूर्ण मुद्दों का समाधान करने की क्षमता है। जयशंकर ने भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित कर कहा कि दुनिया आज भारत में हो रहे बदलाव को स्वीकार कर रही है। जयशंकर ने भारतीय समुदाय के लोगों के साथ भारत के नए भारत में परिवर्तित होने और इसके वैश्विक निहितार्थों को भी साझा किया।

उन्होंने रेखांकित किया कि कैसे दुनिया नए भारत की क्षमताओं और योगदान को पहचान रही है। विदेश मंत्री ने यूक्रेन संघर्ष या विकसित दुनिया और विकासशील दुनिया से संबंधित समस्याओं का हवाला देकर प्रवासी भारतीयों से कहा, इस बीच हर तरफ आज यह भावना है कि भारत एक ऐसा देश है, जो किसी न किसी रूप में एक इसतरह के सेतु का काम कर सकता है, जो अलग-अलग विचारों को एक साथ लाता है और समस्याओं का समाधान खोजने में मदद करता है।''

जयशंकर ने तुर्कि में आए विनाशकारी भूकंप के दौरान भारत की ओर से 24 घंटे के भीतर तुर्की को मदद मुहैया कराने के वाकये का उल्लेख कर कहा, पिछले एक दशक में, हमने संकट के समय पहली प्रतिक्रिया देने वाले के रूप में प्रतिष्ठा बनाई है। जब कुछ होता है, तब हम तेजी से आगे बढ़ते हैं, क्योंकि हमने देश के भीतर अपनी क्षमता विकसित कर ली है और अब हमें लगता है कि हम काफी अच्छे हैं, काफी अनुभवी हैं और बाहर ऐसा करने के लिए पर्याप्त रूप से जिम्मेदार हैं।''

जयशंकर ने कहा, जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने की दिशा में आज हम खुद को नेतृत्व करने वाले देश के रूप में देख रहे हैं, एक ऐसा देश, जिसने सौर ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में बहुत कुछ किया है, वास्तव में विचारों और प्रथाओं तथा संस्थानों की एक पूरी श्रृंखला के साथ तैयार है।''

जयशंकर ने विदेशों में रह रहे भारतीयों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा किए गए कार्यों के बारे में भी बात की। उन्होंने प्रवासी भारतीयों के योगदान की सराहना कर कहा कि विदेशों में भारत की छवि समुदाय के लोगों ने बेहतर बनाई है।

राजनीतिक मामलों में शीर्ष अदालत को दूर रहना चाहिए : परवेज अशरफ

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान नेशनल असेंबली के अध्यक्ष राजा परवेज अशरफ ने कहा है कि जहां तक संभव हो शीर्ष अदालत को राजनीतिक मामलों से दूर रहना चाहिए। उन्होंने यह बात चीफ जस्टिस उमर अता बंदियाल को लिखे एक पत्र में कही है। मीडिया में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, स्पीकर ने संघीय समेकित निधि से व्यय को मंजूरी देने की नेशनल असेंबली की शक्ति पर अदालत के अतिक्रमण के संबंध में यह पत्र लिखा। यह घटनाक्रम पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा चुनावों को लेकर सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच गतिरोध के बीच आया है। सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसदों ने अपने उग्र भाषणों में विपक्ष के दबाव में बातचीत करने से इनकार कर दिया और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व में भरोसा जताया। निचले सदन के अध्यक्ष ने लिखा कि राजनीतिक मामलों को संसद और राजनीतिक दलों पर छोड़ देना चाहिए।

राजा परवेज अशरफ ने अपने पत्र में, अध्यक्ष ने शीर्ष अदालत के शीर्ष न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीशों के साथ-साथ व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से संयम बरतने और संसद के विधायी क्षेत्र का सम्मान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमें संविधान को बनाए रखने के लिए एक साथ काम करना चाहिए, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करनी चाहिए और अपने संबंधित संवैधानिक डोमेन के भीतर काम करना चाहिए ताकि राज्य के अंगों के बीच टकराव से बचा जा सके और संवैधानिक व्यवस्था बनी रहे। अशरफ ने आगे लिखा कि सुप्रीम कोर्ट के कुछ हालिया फैसलों और कुछ न्यायाधीशों द्वारा की गई टिप्पणियों को लेकर पाकिस्तान के निर्वाचित प्रतिनिधियों की गहरी चिंता है।

बिट्रेन में खालिस्तान समर्थक को लेकर स्वतंत्र समीक्षा आयोग ने सुनक सरकार को चेताया

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटिश सरकार के प्रमुख स्वतंत्र समीक्षा आयोग ने कुछ खालिस्तान समर्थक कार्यकर्ताओं की ''विध्वंसक, आक्रामक और सांप्रदायिक कार्रवाई के खिलाफ चेतावनी देकर यह सुनिश्चित करने को कहा कि इसतरह के समूहों की ब्रिटिश संसद तक पहुंच न हो सके। समीक्षा रिपोर्ट को व्यापक सार्वजनिक विमर्शों में से एक बताया गया है, जिसमें 21,000 से अधिक लोगों की प्रतिक्रियाएं शामिल हैं।

रिपोर्ट में 'सिख एक्स्ट्रेमिज्म नामक एक खंड में विस्तार से बताया गया है कि एक छोटे लेकिन बेहद मुखर समूह के विध्वसंक खालिस्तान समर्थक विमर्श को आगे बढ़ाने के लिए सिख धर्म को ''हाइजेक''करने को लेकर ब्रिटिश सिख समुदाय के सदस्यों ने अपनी चिंता जाहिर की है। रिपोर्ट में कहा गया है, ''ब्रिटिश सिखों का एक छोटा, बेहद मुखर और आक्रामक अल्पसंख्यक समूह है, इस खालिस्तान समर्थक चरमपंथी के रूप में वर्णित किया जा सकता है, जो एक जातीय-राष्ट्रवादी एजेंडे को बढ़ावा दे रहा है।''

इसमें कहा गया है, इमसे कुछ चरमपंथियों को उस खालिस्तान को स्थापित करने की अपनी महत्वाकांक्षा में हिंसा का समर्थन करने और लोगों को उकसाने के लिए जाना जाता है, जिसकी भौतिक सीमाएं बड़े पैमाने पर भारत में पंजाब राज्य के विशिष्ट भागों के साथ साझा की जाती हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस क्षेत्रीय दावे में पाकिस्तान में स्थित पंजाब का हिस्सा शामिल नहीं है। यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है कि इन चरमपंथियों की प्रेरणा आस्था पर आधारित है या नहीं।''

रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रिटिश सरकार को यह पहचान करनी चाहिए कि ब्रिटिश सिख समुदाय के भीतर चरमपंथी गतिविधि कहां मौजूद है और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी गतिविधियों को खत्म किया जाए। सिख चरमपंथ के बारे में चेतावनियों के अलावा, 159 पृष्ठों की रिपोर्ट में धार्मिक अतिवाद के अन्य रूपों को शामिल किया गया है और कहा गया है कि ''कुछ ब्रिटिश हिंदुओं ने ब्रिटेन की राजनीति में हिंदू राष्ट्रवादी भागीदारी पर निराशा व्यक्त की है, जो ब्रिटेन में भारतीय समुदायों के बीच विभाजन पैदा कर सकता है। इस्लामी चरमपंथ पर रिपोर्ट में ब्रिटिश सरकार से अपील की गई है कि वह चरमपंथी इस्लामवाद तथा इस्लाम और इस्लामी चरमपंथियों तथा मुसलमानों के बीच अंतर को रेखांकित करने के लिए दोगुने प्रयास करे।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के चीट शीट खुलासे ने उन्हें लाइमलाइट में ला दिया

वाशिंगटन (एजेंसी)। राजनेताओं और देश की अग्रिम पद पर बैठे लोगों के द्वारा पत्रकारों से मुखातिब होना आम बात है। इंटरव्यू के दौरान किसी भी देश के नेता पत्रकारों के सवालों के जवाब देते नजर आते हैं। इसमें कई बार सवाल हल्के और सरल होते हैं, तब कई बार नेताओं को असहज स्थिति में भी ला देते हैं। लेकिन क्या हो अगर पत्रकारों की तरफ से पूछने वाले सवाल पहले से ही नेताओं को दे दिए जाए ताकि वहां इसके जवाब की तैयारी पहले से करके आए। अमेरिका में साल 2024 में राष्ट्रपति का चुनाव होना है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने फिर से राष्ट्रपति पद को लेकर अपनी दावेदारी का ऐलान हाल ही में किया है। लेकिन जो बाइडेन की चीट शीट का खुलासा उन्हें लाइमलाइट में फिर से लेकर आ गया है।

रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल के साथ प्रेसवार्ता के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा आयोजित एक चीट शीट से पता चला है, कि उन्हें एक पत्रकार द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्न के बारे में पहले से पता था। फोटो जर्नलिस्ट्स ने बाइडेन के चीट शीट ले जाने का पर्दाफाश किया है। यह रहस्योद्घाटन बाइडेन द्वारा 2024 में फिर से चुनाव लड़ने का ऐलान करने के दो दिन बाद सामने आया है। एक रिपोर्ट में पत्रकार का सवाल था कि आप गठबंधन आधारित विदेश नीति के साथ-अपनी घरेलू प्राथमिकताओं - जैसे अर्धचालकों के निर्माण को फिर से शुरू कैसे कर रहे है?

रिपोर्ट के अनुसार, प्रेसवार्ता में उत्तर कोरिया से बढ़ते परमाणु खतरों पर चर्चा हुई, क्योंकि दोनों देश अपने गठबंधन की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इससे पहले भी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की एक तस्वीर सामने आई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति की एक तस्वीर सामने आई, जब वह नोटों के पन्नों को पलट रहे थे। बैठक के दौरान क्या करना है, इस पर बाइडेन के लिए चरण-दर-चरण निर्देशों का उल्लेख नोटों में किया गया है। निर्देशों में बाइडेन को मोटे लाल अक्षरों में आप के रूप में संदर्भित किया गया था।

रूस से संबंधों को लेकर भारत के साथ रणनीतिक संयम बरते अमेरिका- जिम मैटिस

वाशिंगटन। पूर्व अमेरिकी रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने कहा है कि अमेरिका को रूस से संबंधों को लेकर भारत के साथ रणनीतिक संयम दिखाने की आवश्यकता है। मैटिस ने साथ ही कहा कि भारत यूक्रेन पर रूस के हमले का समर्थन नहीं करता है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच रक्षा संबंध बहुत काफी मजबूत हुए हैं। मैटिस ने बुधवार को कहा, ''हमें कुछ संयम दिखाने की जरूरत है। वे (भारतीय) सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।'' मैटिस ने बुधवार को 'कांग्रेशनल इंडिया कॉकस' के सह-अध्यक्ष रो खन्ना द्वारा आयोजित भारत-अमेरिका शिखर सम्मेलन में यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी रणनीतिक स्वतंत्रता बनाए रखी है और भारत सरकार यूक्रेन पर रूसी हमले का समर्थन नहीं करती। मैटिस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसे लेकर बहुत स्पष्ट रहे हैं। उन्होंने कहा, ''भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करते रहना होगा।'' मैटिस ने कहा कि भारत का रूस के निकट होना इस समय अमेरिका के लिए बुरा नहीं है। उन्होंने कहा, ''भारत जो आखिरी चीज करना चाहता है...वह रूस और चीन को एक साथ लाना है।'' चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के अपने सहयोगी देशों के विपरीत भारत ने यूक्रेन पर रूस के हमले की अभी तक निंदा नहीं की है और वह रूसी आक्रमण को लेकर संयुक्त राष्ट्र मंचों पर मतदान से दूर रहा है। भारत यूक्रेन में हिंसा पर तत्काल रोक लगाने और कूटनीति एवं वार्ता के जरिए संकट का समाधान करने पर जोर देता रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप ने मेरा रेप किया, एक बार फिर मुश्किलों में पड़े पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति, लेखिका ई जीन कैरोल ने लगाए गंभीर आरोप

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की पत्रकार, लेखिका ई जीन कैरोल ने डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ अदालत में सुनवाई के दौरान आरोप लगाया है कि उन्होंने उनका रेप किया है। जीन कैरोल ने न्यूयॉर्क की एक जूरी को बताया कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उसके साथ बलात्कार किया और फिर मेरी प्रतिष्ठा को चकनाचूर कर दिया। कैरोल का कहना है कि ये घटना न्यूयॉर्क शहर के एक लग्जरी डिपार्टमेंटल स्टोर ड्रेसिंग रूम के अंदर हुई। पूर्व पत्रकार के यौन उत्पीड़न के मामले में कोर्ट में सुनवाई हुई। ई जीन कैरोल ने कहा कि मैं यहां हूं क्योंकि डोनाल्ड ट्रम्प ने मेरे साथ बलात्कार किया और जब मैंने इसके बारे में लिखा, तो उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने झूठ बोला और मेरी प्रतिष्ठा को चकनाचूर कर दिया। मैं यहां कोशिश करने और अपना जीवन वापस पाने के लिए हूं। डोनाल्ड ट्रंप ने आरोपों से इनकार किया है। ई जीन कैरोल की गवाही से आगे, न्यायाधीश ने डोनाल्ड ट्रम्प को अपने सोशल मीडिया साइट ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करने के खिलाफ चेतावनी दी। कैरोल ने अदालत से कहा कि वो 1996 में किसी शाम को बर्गडोर्फ गुडनेन में ट्रंप से मिली थी। बर्गडॉर्फ गुडमैन लक्ज़री डिपार्टमेंटल स्टोर से निकल रही थी। उन्होंने कहा कि मुझे एक उपहार खरीदने की ज़रूरत है, आओ मेरी मदद करो। ट्रंप ने महिलाओं के अंत-वस्त्र खरीदने में उनसे मदद मांगी थी। इसी दौरान उन्होंने कपड़े बदलने के कमरे में उनसे बलात्कार किया। कैरोल ने कहा कि वो वहां से भागने की पूरी कोशिश की, लेकिन असफल रही।

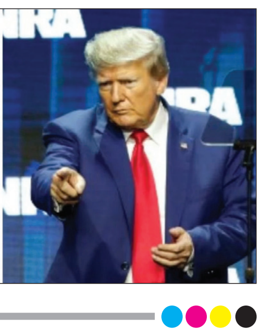

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑपरेशन कावेरी के तहत देश पहुंचे लोगों ने लगाए माता की जय, पीएम मोदी जिंदाबाद के नारे

नई दिल्ली। भारत सहित कई देशों ने सूडान की राजधानी खार्तूम से राजनयिकों और नागरिकों को निकाला। 72 घंटे के संघर्ष विराम के प्रभावी होने के कारण हाल के दिनों में बचाव अभियान तेज हो गया है। विदेशी देश अपने नागरिकों को सूडान से सड़क, वायु और समुद्र के रास्ते सूडान से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं। सूडान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, लड़ाई में कम से कम 512 लोग मारे गए हैं और 4,000 से अधिक घायल हुए हैं, और ग्रेटर खार्तूम के कुछ जिलों को खंडहर बना दिया है। भारत ने सूडान से अपने निकासी अभियान के तहत कम से कम 534 नागरिकों को बाहर निकाल लिया है और 360 भारतीयों का पहला जत्था आज रात दिल्ली पहुंच गया है। भारतीय वायुसेना के दो परिवहन विमानों के जरिये सूडान से 256 भारतीयों को निकाला गया है। इससे पहले नौसेना के जहाज आईएनएस सुमेधा के माध्यम से इस हिंसाग्रस्त सूडान से 278 नागरिकों को निकाला गया था। अधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सूडान से अब तक निकाले गए भारतीय नागरिकों की संख्या 534 हो गई है। ऑपरेशन कावेरी के तहत पहली उड़ान नई दिल्ली पहुंची और 360 भारतीय नागरिक अपनी सरजमीं पर उतरे। एयरपोर्ट पर पहुंचते ही लोगों ने भारत माता की जय, इंडियन आर्मी जिंदाबाद, पीएम नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाए।

महाराष्ट्र में 1.5 करोड़ रुपये मूल्य के हाथी दांत के साथ दो लोग गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 1.5 करोड़ रुपये मूल्य के हाथी दांत बरामद किए। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने इसके साथ ही पशुओं के अंगों की तस्करी में शामिल एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करने का दावा किया है। अधिकारी ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने मंगलवार को यहां कोपरी इलाके में जाल बिछाया और दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोगों में से एक मुंबई का रहने वाला है और दूसरा तमिलनाडु का रहने वाला है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विकास घोड़के ने बताया कि पुलिस ने उनके पास से दो-दो किलोग्राम के दो हाथी दांत बरामद किए हैं, जिनकी कुल कीमत 1.5 करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान तमिलनाडु के कृष्णागिरि के रहने वाले मोहम्मद रफी इब्राहिम सैय्यद (41) और मुंबई के अंधेरी के रहीम बादशाह खान (35) के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि दोनों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपियों को हाथी के दांत कहां से मिले और वे उन्हें किसे बेचने वाले थे।

एसटीएफ का दावा, अलकायदा के संदिग्ध ने लॉकडाउन के दौरान फैलाया नेटवर्क

कोलकाता। एसटीएफ ने दावा किया है कि 25 अप्रैल को हुगली से गिरफ्तार संदिग्ध अलकायदा कार्यकर्ता नसीमुद्दीन शेख ने राज्य में अपने नेटवर्क का विस्तार करने के लिए कोविड लॉकडाउन अवधि का फायदा उठाया। पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) द्वारा शेख को बुधवार को निचली जिला अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। एसटीएफ सूत्रों ने बताया कि शुरुआती पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी ने स्वीकार किया कि लॉकडाउन के दौरान उसने पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले से सटे कोलकाता के बांकरा इलाके में एक विशेष मदरसा में अपना ठिकाना बनाया। एसटीएफ के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, इस विशेष मदरसे में रहने के दौरान उसने अल कायदा के अन्य सहयोगियों के साथ संबंध स्थापित किए थे, इनमें से कुछ को पहले ही हमारे जासूसों द्वारा गिरफ्तार किया जा चुका है। उसका कार्य मुख्य रूप से ब्रेनवॉशिंग के माध्यम से संगठन के स्लीपर सेल के लिए नई भर्ती करना था। हालांकि, लॉकडाउन के बाद उसे उठा लिया गया, तो वह चुपचाप मदरसे से फरार हो गया और राज्य से बाहर चला गया। एसटीएफ के अनुसार, शेख ने यह भी स्वीकार किया है कि व्यवस्थित ब्रेनवाशिंग के माध्यम से नई भर्ती करने के अलावा, उन्हें उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना और हावड़ा जिलों में अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में मॉड्यूल स्थापित करने का काम भी सौंपा गया था। हाल ही में वह वापस आया और हुगली जिले के दादपुर में अपने एक रिश्तेदार के यहां रहने लगा। इस संबंध में अपने सूत्रों से जानकारी मिलने पर एसटीएफ के जवानों ने दो दिन पहले उसके आवास पर छापा मारा और उसे वहां से गिरफ्तार कर लिया।

पुंछ मामले में आंतकियों को पनाह देने वाला निसार हिरासत में

जम्मू। जम्मू एवं कशमीर के पुंछ जिले में हाल ही में हुए आतंकी हमले में सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को शरण देने वाले स्थानीय व्यक्ति का पता लगाकर हिरासत में लिया है। आतंकवादियों की तलाश के दौरान सुरक्षा बलों ने निसार अहमद नाम के एक स्थानीय व्यक्ति का पता लगाकर हिरासत में लिया। निसार ने 20 अप्रैल को हमले को अंजाम देने से पहले दो महीने से अधिक समय तक आतंकवादियों को शरण दी थी। आतंकवादियों ने पुंछ जिले के भाटा धुरियान क्षेत्र में घात लगाकर एक वाहन पर हमला किया था। हमले में पांच जवान शहीद हो गए थे और एक गंभीर रूप से घायल हो गया था। मारे गए जवानों के हथियार लेकर आतंकी फरार हो गए थे।

नक्सलियों का नया फरमान, गांव में शहीदों का अंतिम संस्कार नहीं होने दिया जाएगा

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में नक्सली हमले के बाद नक्सलियों ने नया फरमान जारी किया है। जवानों की शहादत पर नक्सलियों ने फरमान जारी कहा कि जवानों का अंतिम संस्कार उनके गांव में नहीं होने देने वाले है। नक्सलियों के इस फरमान के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि दो शहीदों के परिजनों ने शव गांव ले जाने से इंकार किया है। हालांकि प्रशासन का कहना है कि शहीदों का अंतिम संस्कार गांव में ही किया जाएगा। नक्सलियों ने दो गांवों में फरमान जारी कर कहा कि गांव में शहीदों का अंतिम संस्कार नहीं होने दिया जाएगा। बताया जा रहा कि कि दो शहीद के परिजन ने शवों को गांव ले जाने से इंकार किया है। जिसके बाद ये कहा जा रहा है कि पुलिस मुख्यालय में ही दोनों शहीदों का अंतिम संस्कार किया जाएगा। हालांकि प्रशासन ने इसकी पुष्टि नहीं की है कि पुलिस मुख्यालय में शहीदों का अंतिम संस्कार किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, शहीद जोगा कवासी जो बड़े गादम के रहने वाले थे और शहीद दुलगो मंडावी, मार्जुम के बीमापारा के रहने वाले हैं। इनके परिजनों ने फिलहाल शवों को अपने गांव लेकर जाने से इंकार कर दिया है। हालांकि अभी तक प्रशासन ने मामले में अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। नक्सलियों की धमकी मिलने के बाद अब परिजनों ने पुलिस और प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। बताया जा रहा है कि गांव में नक्सलियों के द्वारा फरमान जारी होने के बाद दोनों ही जवान के परिजन जगदलपुर में जवानों की अंतिम सलामी में शामिल नहीं हुए। इसके साथ ही दोनों ही परिवार के लोगों ने सरकार से मदद की गुहार लगाई है।

इंटरनेट पर यौन सामग्री व आपत्तिजनक कंटेंट को लेकर जताई नाराजगी

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने यौन सामग्री और इंटरनेट पर मौजूद आपत्तिजनक कंटेंट को लेकर नाराजगी जाहिर की है। दिल्ली हाई कोर्ट ने सर्च इंजनों को जल्द से जल्द आपत्तिजनक कंटेंट को हटाने का निर्देश दिया है। हाई कोर्ट ने साफ कहा है कि इस तरह की सामग्री हटाए जाने के आदेश के बावजूद यदि सामने आती है तो इसे तत्काल हटाना होगा और किसी पीड़ित को इसे हटवाने के लिए फिर से अदालत में न आना पड़े। इसके ?लिए वे पीछे न हटें। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा कि आपत्तिजनक सामग्री के प्रसार को नियंत्रित कर पाना बहुत कठिन है। उन्होंने कहा कि यह सर्च इंजन की जिम्मेदारी है कि आपत्तिजनक सामग्री तक पहुंच पर तत्काल रोक लगे। यह देखते हुए कि इंटरनेट कभी नहीं भूलता, न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की एकल न्यायाधीश पीठ ने कहा कि एक बार ऐसी सामग्री इंटरनेट पर अपलोड हो जाने के बाद यह तेजी से वायरल होती है और इसे रोक पाना मुश्किल हो जाता है। कोर्ट ने कहा कि सर्च इंजन आपत्तिजनक कंटेंट ना हटाने को लेकर पीछे नहीं हट सकता है।

समलैंगिक शादियों को मान्यता देने के मामले में व्यवहारिक और कानूनी सहित तमाम अड़चनेः सॉलिसिटर जनरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। समलैंगिक शादियों को मंजूरी देने की मांग को लेकर दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने गुरुवार को लगातार दूसरे दिन याचिकाकर्ताओं की दलीलों का जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि समलैंगिक शादियों को मान्यता देने के मामले में व्यवहारिक और कानूनी सहित तमाम अड़चन हैं। इतना ही नहीं उन्होंने याचिकाकर्ताओं द्वारा दिए गए पति और पत्नी की जगह जीवनसाथी यानी स्पाउस शब्द के इस्तेमाल वाले सुझाव का भी विरोध किया। उन्होंने तलाक, घरेलू हिंसा, भरण पोषण प्रावधानों में आने वाली अड़चनों का भी जिक्र किया।

सीजेआई ने सॉलिसिटर जनरल मेहता से कहा, आपका कहना है कि पति या पत्नी के लिए जीवनसाथी (स्पाउस) शब्द का इस्तेमाल करने से कोई फायदा नहीं होगा। दरअसल, समलैंगिक शादियों की मांग को लेकर याचिकाएं दाखिल करने वालों की ओर पेश वकील मुकुल रोहतगी ने कहा था, कानूनी अड़चनों के मद्देनजर कानून में पति और पत्नी की जगह जीवनसाथी शब्द का इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे संविधान की प्रस्तावना और अनुच्छेद 14 के मुताबिक समानता के अधिकार की भी रक्षा होती रहेगी।

इस पर सॉलिसिटर जनरल ने कहा, तलाक से संबंधित अनुभाग को देखें, क्या इस विशेष वर्ग में तलाक का कानून भी सभी लोगों के लिए एक बन सकता है? ट्रांस मैरिज में कौन पत्नी होगा, गे मैरिज में कौन पत्नी होगा? इसका दूरगामी प्रभाव होगा। यह देश भर में बहुत से लोगों को प्रभावित करता है।

मेहता ने कहा, मौजूदा कानून में पत्नी गुजारा भत्ता मांग सकती है, लेकिन समलैंगिक शादियों में क्या होगा? इस पर जस्टिस कोहली ने कहा, लेकिन यह दूसरे पर भी लागू होता है। हमारे पास याचिकाएं आती हैं कि पति भी भरण-पोषण का दावा कर सकता है। इस पर मेहता ने कहा, कपल कोर्ट को कैसे बताएगा कि पत्नी कौन है? यह कैसे स्पष्ट होगा?

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने कहा, शादी का रजिस्ट्रेशन कभी अनिवार्य नहीं रहा। वहीं, इस पर सीजेआई ने कहा, शादी का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है, लेकिन रजिस्ट्रेशन नहीं कराने से विवाह शून्य नहीं होता। अगर मैं गलत हूं, तब बताएं। वहीं, इस पर मेहता ने कहा, हममें से कई लोगों ने अपनी शादी का पंजीकरण नहीं कराया है, क्योंकि विवाह अधिनियम के तहत यह अनिवार्य नहीं है। इस पर जस्टिस भट्ट ने कहा, तमिलनाडु में इस अनिवार्य कर दिया गया है। वहीं, सीजेआई ने कहा, वीजा के लिए शादी के रजिस्ट्रेशन की जरूरत पड़ती है।

कोर्ट में सुनवाई के दौरान मेहता ने घरेलू हिंसा, भरण पोषण प्रावधानों का भी जिक्र कर कहा, इन मामलों में महिलाओं के लिए विशिष्ट प्रावधान किए गए हैं। इस दौरान मेहता ने रेप की परिभाषा का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि इसके मुताबिक, एक पुरुष ही महिला का रेप कर सकता है।

इस पर जस्टिस भट्ट ने कहा, क्या आप ये कह रहे हैं कि अगर कोई व्यक्ति किसी गे व्यक्ति का रेप करता है, तब ये रेप नहीं होगा? सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा, यह 377 के तहत आता था, जो अब खत्म हो गई है।

एजी मेहता ने दहेज हत्या या घरेलू हिंसा के मामले में गिरफ्तारी की प्रक्रिया का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा, अगर कानून में पति और पत्नी की जगह सिर्फ स्पाउस या पर्सन कर दिया जाए, तब महिलाओं को सूर्यास्त के बाद गिरफ्तार न करने जैसे प्रावधान कैसे लागू हो सकते हैं।

सॉलिसिटर जनरल ने कहा, इस मामले में व्यवहारिक, कानूनी और बच्चा गोद लेने, मेंटेनेंस, डोमिसाइल सहित कई अड़चनें हैं। मेहता ने कहा, याचिकाकर्ता का मौलिक तर्क है कि सेक्सुअल ओरिएंटेशन को चुनना सही है। इस पर सीजेआई ने कहा, ऐसा नहीं है। उनका कहना है कि उन्हें सेक्सुअल ओरिएंटेशन का अधिकार दिया जाए।

एक और हवाला देकर मेहता ने कहा कि अगर गोद लिए बच्चे की कस्टडी एक मां के पास जाती है, तब देखना होगा कि मां कौन है! मां वह होगी जिसे हम समझते हैं और विधायिका ने भी वही समझा है। लेकिन इन मामलों में यह कैसे तय होगा?

केंद्र का पक्ष सुप्रीम कोर्ट में रखते हुए सॉलिसीटर जनरल ने कहा, ये एक सामाजिक मुद्दा है। अदालत को इस विचार करने के लिए संसद पर छोड़ देना चाहिए।

पीएम मोदी का हमला कर राहुल-प्रियंका ने कहा, मानसिक स्वास्थ्य पर मजाक बनाना ठीक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सुसाइड नोट से संबंधित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक मजाक को लेकर गुरुवार को उन पर निशाना साधकर कहा कि मानसिक स्वास्थ्य का असंवेदनशील ढंग से मजाक बनाने के बजाय जागरुकता पैदा करने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने टेलीविजन चैनल के कार्यक्रम के दौरान एक मजाक साझा किया जिसमें उन्होंने प्रोफेसर की बेटी के सुसाइड नोट में एक शब्द की वर्तनी की त्रुटि का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने यह मजाक उस वक्त किया जब उन्होंने कहा कि संबंधित चैनल के प्रमुख संपादक अच्छी हिंदी बोलने लगे हैं। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, हजारों परिवार आत्महत्या के कारण अपने बच्चों को खोते हैं। पीएम को उनका मजाक नहीं उड़ाना चाहिए! प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री की टिप्पणी का वीडियो साझा करते हुए ट्वीट किया, अवसाद और आत्महत्या विशेषकर युवाओं की आत्महत्या कोई मजाक का विषय नहीं है।

एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, 2021 में 1,64,033 भारतीय नागरिकों ने आत्महत्या की। इसमें 30 साल से कम उम्र के लोगों की संख्या बहुत ज्यादा थी। यह त्रासदी कोई मजाक नहीं है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री और उनके मजाक पर हंसने वालों को खुद जागरूक होने की जरूरत है और मानसिक स्वास्थ्य का इस तरह से असंवेदनशील तरीके से मजाक बनाने के बजाय जगरूकता पैदा करने की जरूरत है।

'सूडान में जमीनी हालात बेहद अस्थिर', विदेश सचिव बोले-

भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हम सभी के साथ संपर्क में

पुणे (एजेंसी)। गृह युद्ध से प्रभावित सूडान की स्थिति लगातार चिंताजनक बनी हुई है। सूडान संकट की वजह से भारत की भी चिंताएं बढ़ी हुई हैं। इन सब के बीच विदेश सचिव विनय क्वात्रा का भी बड़ा बयान सामने आया है। विदेश सचिव ने बताया कि सूडान में जमीनी हालात बेहद अस्थिर बने हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम सूडान की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने कहा कि भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत सूडान में सभी पक्षों के साथ संपर्क में है। उन्होंने कहा कि 15 अप्रैल को संघर्ष शुरू होने के बाद से हम सूडान में लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। हमारा अनुमान है कि सूडान में लगभग 3500 भारतीय और 1000 पीआईओ हैं।

विनय क्वात्रा ने कहा कि तीसरा नौसैनिक जहाज- आईएनएस तरकश भी सूडान से भारतीयों को निकालने के लिए आज पोर्ट सूडान पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि हमें सूडान से दूसरे देशों के नागरिकों को निकालने के अनुरोध प्राप्त हुए हैं। यह प्रक्रियाओं की पूर्ति के अधीन है। विदेश सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बैठक की अध्यक्षता की जिसमें उन्होंने समीक्षा की और फंसे हुए नागरिकों को वापस लाने के लिए उपयुक्त उपाय करने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि अभी लगभग 600 लोग या तो भारत आ चुके हैं या रास्ते में हैं। 246 लोगों को महाराष्ट्र भेजा जा रहा है।

भारत ने हिंसाग्रस्त सूडान से अपने निकासी अभियान के तहत कम से कम 534 नागरिकों को बाहर निकाल लिया है और 360 भारतीयों का पहला जत्था आज रात दिल्ली पहुंच गया। यह अभियान सूडान की सेना और अर्द्धसैनिक बलों के बीच कुछ समय के लिए जारी संघर्षविराम के दौरान चलाया जा रहा है। भारतीय वायुसेना के दो परिवहन विमानों के जरिये सूडान से 256 भारतीयों को निकाला गया है। इससे पहले नौसेना के जहाज आईएनएस सुमेधा के माध्यम से इस हिंसाग्रस्त अफ्रीकी देश से 278 नागरिकों को निकाला गया था।

महाराष्ट्र में 1500 से अधिक किसानों ने अपनी मांगों को लेकर पदयात्रा शुरु की

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अहमदनगर में 1500 से अधिक किसानों ने जमीन अधिग्रहण के लिए उचित मुआवजा तथा दूध, कपास एवं अन्य फसलों के लिए लाभकारी दाम सहित विभिन्न मांगों पर दबाव बनाने के लिए पदयात्रा शुरू की है। अहमदनगर के अकोले से ऑल इंडिया किसान सभा (एआईकेएस) के तत्वाधान में यह पदयात्रा शुरू हुई जिसमें कई महिलाएं भी शामिल हैं। यह मार्च अकोले से करीब 230 किलोमीटर जिले के लोनी में समाप्त होगा। किसानों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाए एवं राज्य सरकार पर 'भ्रष्ट' होने का आरोप लगाया। उनके हाथों में एआईकेएस के लाल झंडे थे।

एआईकेएस की मांगों में कृषकों एवं खेतिहर मजदूरों के नामों पर भूस्वामित्व करना, आवश्यक जमीन अधिग्रहण के लिए उचित मुआवजा, दूध, कपास, सोयाबीन, तूर, चना एवं अन्य उपज के लिए लाभकारी दाम शामिल हैं। ये किसान दूध एवं डेयरी उत्पादों के आयात का भी विरोध कर रहे हैं। वे प्राकृतिक आपदाओं से फसल की क्षति के लिए उचित मुआवजा, कृषकों, खेतिहर मजदूरों एवं बेसहारों के लिए पेंशन में वृद्धि, निर्माण श्रमिकों के लिए मेडिक्लेम एवं आवास सुविधाएं, आंगनवाड़ी कर्मियों एवं आशाकर्मियों, मध्याह्न भोजन कर्मियों एवं अन्य असंगठित कर्मियों के मानदेय में वृद्धि एवं उन्हें सरकारी कर्मी का दर्जा दिये जाने की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शन आयोजकों के अनुसार, महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने एआईकेएस के प्रतिनिधिमंडल को मुंबई में सहयाद्रि 'स्टेट गेस् हाउस' पर वार्ता के लिए बुलाया था। यह प्रदर्शन लोनी में पाटिल के कार्यालय के पास ही समाप्त होगा। एआईकेएस ने कहा, जहां तक उनके (विखे पाटिल के) राजस्व एवं डेयरी विकास विभागों की बात है, तब कुछ प्रगति हुई लेकिन कोई अन्य मंत्री एआईकेएस द्वारा उठाए गए मुद्दों के सिलसिले में बातचीत के लिए मौजूद नहीं था।

यूपी में मायावती की सलाह, भाजपा के लुभावने वादों से रहें दूर

लखनऊ (एजेंसी)। उप्र में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने भाजपा के लुभावने वादों से लोगों को दूर रहने की सलाह दी है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में सभी राजनीतिक पार्टियां नगर निकाय चुनाव की तैयारियों में लगी है। सभी पार्टियां चुनाव जीतने की कोशिश में लगी है। वहीं एक दूसरे को नीचा दिखाने और उन पर तंज कर रही है। इसी को लेकर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपने ट्वीट के जरिए लोगों से अपील की है। उन्होंने लिखा है कि, यूपी में मेयर व सभासद, नगर पालिका व नगर पंचायत अध्यक्ष आदि के लिए हो रहे चुनाव में इन संस्थानों में जबरदस्त भ्रष्टाचार, सड़क, सफाई, नाली सहित विकास का घोर अभाव, हाउस टैक्स में मनमानी वृद्धि व उनपर भारी ब्याज

आदि जंजालों से मुक्ति के लिए बीएसपी जैसा सर्वजन हिताय परिवर्तन जरूरी। अपने दूसरे ट्वीट में बसपा सुप्रीमो मायावती ने भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने लिखा है कि, वैसे भाजपा हो या सपा सत्ताधारी पार्टियों सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के अलावा साम, दाम, दण्ड, भेद आदि अनेकों हथकंडे चुनावों में अपनाती हैं, किन्तु प्रबुद्ध व मेहनतकश शहरी जनता द्वारा अपने असली हित, सुख-सुविधा, सफाई व भ्रष्टाचार पर अंकुश आदि हेतु वोट का प्रभावी इस्तेमाल जरूरी।

'भारत के सामर्थ्य की ताकत दुनिया समझ रही', योगी बोले- पिछले 9 सालों में वो चमत्कार हुए जो 70 सालों में नहीं हो पाएं

आगरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव को लेकर प्रचार जारी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार प्रचार कर रहे हैं। इन सब के बीच योगी आदित्यनाथ ने आगरा में जनसभा को संबोधित करते हुए बड़ा बयान दिया है। योगी ने कहा कि भारत के सामर्थ्य की ताकत आज दुनिया समझ रही है। पिछले 9 सालों में वो चमत्कार हुए जो 70 सालों में नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि 9 सालों में भारत ने वो यात्रा तय कर ली जिसके लिए पिछले 65-70 सालों से हम चिल्ला रहे थे, जिसके लिए देश के स्वतंत्रता सेनानियों ने बलिदान दिया था।

योगी ने यह भी कहा कि आज भारत में तुष्टिकरण नहीं होता है, आज नए भारत में अपने नागरिकों की सशक्तिकरण पर ध्यान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति खत्म हुई तो सशक्तिकरण की राजनीति शुरू हुई। इसी का परिणाम है कि करोड़ो लोगों को मकान मिल गए, करोड़ो लोगों को शौचालय मिल गए, 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन मिल रहा है। योगी आदित्यनाथ ने मथुरा में भी चुनाव प्रचार किया। योगी ने कहा कि कृष्ण नगरी का जवाहरबाग कभी गुंडागर्दी का अड्डा हुआ करता था और कोसी कलां में दंगे होते थे, मगर भाजपा की सरकार बनने के बाद से दोनों की तस्वीर बदल गयी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी तरह, पहले कोसी कलां में दंगा होता था लेकिन अब वहां दुनिया का सबसे बड़ा पेप्सिको प्लांट लग चुका है। भाजपा सरकार ने दोनों की सूरत बदल दी है। उन्होंने कहा, पहले जिस

मथुरा-वृंदावन में कभी मांस-मदिरा की बिक्री होती थी, हमने उस पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। यहां की पवित्रता के साथ खिलवाड़ करने की अनुमति किसी को भी नहीं दी जा सकती। आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि आजादी के बाद से विभिन्न सरकारों के कार्यकाल में लचर और भ्रष्टाचार युक्त व्यवस्था ने मथुरा के विकास को रोक के रखा था।

विदेशी साम्राज्यवाद से मुक्त करवाने में पंजाबियों की अग्रणी भूमिका : भगवंत मान

– विगत दिनों शहीद हुए चार जवानों के परिवारों को सीएम ने दिए एक-एक करोड़ रुपए के चैक

चंडीगढ़ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि विदेशी साम्राज्यवाद से देश को मुक्त करवाने में पंजाबियों की अग्रणी भूमिका रही है, अब वे देश की सीमा पर चौकसी कर देश की अखंडता को मजबूत कर रहे हैं। सीएम भगवंत मान ने यह बात उस समय कही तब वे जम्मू-कश्मीर में शहीद हुए चार जवानों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये के चैक प्रदान ?कर रहे थे। उन्होंने विगत 20 अप्रैल को शहीद होने वाले 4 सैनिकों के घर जाकर उनके परिवारों को यह आर्थिक सहायता प्रदान की। मुख्यमंत्री ने इन शहीदों के पैतृक घरों का दौरा किया। इनमें हवलदार मनदीप सिंह गांव चनकोयीआ काकन जिला लुधियाना, लांस नायक कुलवंत सिंह गांव चडिक जिला मोगा, सिपाही हरकिशन सिंह गांव तलवंडी भरथ जिला गुरदासपुर और सिपाही सेवक सिंह गांव बाघा जिला बठिंडा शामिल हैं। सीएम मान ने अपनी यात्रा के दौरान ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान देने की प्रार्थना की। इन वीरों द्वारा देश के लिए किए गए महान बलिदानों के सम्मान में परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये का चैक सौंपते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरा देश इन शहीदों का ऋणी है। जिन्होंने देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आश्रितों को रोजगार देने की नीति के आधार पर सेना से विचार-विर्मश कर शहीदों के परिवारिक सदस्य को नौकरी दी जाएगी। आशा व्यक्त की राज्य की इस पहल से परिवार को मदद मिलेगी और उनका भविष्य सुरक्षित होगा। इन युवाओं को अपनी मातृभूमि की सेवा के लिए सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए भी प्रोत्साहित करेगा। यह गर्व की बात है कि इस वीर सैनिक ने देश की एकता की रक्षा के लिए पूर्ण समर्पण दिखाया। उनका महान बलिदान उनके साथी सैनिकों को और अधिक समर्पण और दृढ़ता के साथ अपना कर्तव्य निभाने के लिए प्रेरित करेगा। देश को विदेशी साम्राज्यवाद से मुक्त करवाने में पंजाबियों ने अग्रणी भूमिका निभाई है। अब सीमाओं की रक्षा कर देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं।

शहीद हरकृष्ण के नाम पर होगा सरकारी स्कूल

मुख्यमंत्री ने गुरदासपुर के गांव तलवंडी भरथ में एक सरकारी स्कूल का नाम शहीद सिपाही हरकृष्ण सिंह के नाम पर रखने का ऐलान करते हुए गांव में स्टेडियम निर्माण और धर्मशाला के नवीनीकरण पर 73.50 लाख रुपए खर्च करने की भी घोषणा की। इन कार्यों

का एस्टीमेट तैयार है और जल्द ही इन पर काम शुरू कर दिया जाएगा। इसी तरह शहीद लांस नायक कुलवंत सिंह के नाम पर सरकारी स्कूल का नाम रखने और शहीद के पैतृक गांव में खेल मैदान बनाने की घोषणा की। बठिंडा जिले के बाघा में सिपाही सेवक सिंह के नाम पर सरकारी स्कूल के निर्माण की घोषणा व लुधियाना के गांव चनकोइयां काकन में मुख्यमंत्री ने गांव के स्कूल का नाम शहीद हवलदार मनदीप सिंह के नाम पर रखने की घोषणा की।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

बुलेट ट्रेन से भी जुड़ेगा नोएडा का मेडिकल डिवाइस पार्क, पोड टैक्सी, मेट्रो और हाईवे से मिलेगी बेहतरीन कनेक्टिविटी

नोएडा । यूपी सरकार प्रदेश को मेडिकल डिवाइस इंडस्ट्री का हब बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। गौतमबुद्ध नगर में यमुना एक्सप्रेस वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी के सेक्टर 28 में 350 एकड़ में बन रहे मेडिकल डिवाइस पार्क को बेहतरीन कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी। जहां मेट्रो, एक्सप्रेस वे, ट्रांसपोर्ट नगर ही नहीं बुलेट ट्रेन की कनेक्टिविटी के साथ भी जोड़े जाने की तैयारी है। मेडिकल डिवाइस पार्क के लिए अबतक 59 भूखंडों का आवंटन किया जा चुका है। वहीं 26 आवंटियों को मुख्य कार्यपालक अधिकारी की ओर से आवंटन पत्र व चेकलिस्ट और लीज प्लान सौंपे गये हैं। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ अरुणवीर सिंह ने बताया कि भूखंडों के आवंटियों के साथ एक बैठक आयोजित की गयी, जिसमें उन्हें भूमि आवंटन से संबंधित पत्र सौंपे गये हैं। उन्होंने बताया कि मेक इन इंडिया व आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में इस मेडिकल डिवाइसेज पार्क को विश्व स्तरीय सुविधा संपन्न बनाने पर तेज गति से काम हो रहा है।

पार्क में भारत सरकार के मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स की ओर से एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल की स्थापना भी की जा रही है। इससे इंडस्ट्रियलिस्ट्स को अब एक्सपोर्ट डॉक्यूमेंटेशन, एक्सपोर्ट ग्रांट, एमएआई ग्रांट आदि कार्यों के लिए कहीं और जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इसके लिए एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक का निर्माण कार्य भी प्राधिकरण द्वारा प्रारम्भ कर दिया गया है। इसके अलावा प्राधिकरण का यह क्षेत्र बेहतर रोड, मेट्रो, हाईवे, पोड टैक्सी और बुलेट ट्रेन से भी कनेक्टेड होने जा रहा है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी के अनुसार यहां कॉमन हाइड्रैंट फैसिलिटी की सुविधा प्रदान की जायेगी। हाईवे पर साइनेज की व्यवस्था करने के लिए महाप्रबंधक परियोजना को निर्देशित किया गया है। साथ ही आवंटियों को अवगत कराया गया है कि इस योजना के निकटवर्ती गांवों में और प्राधिकरण क्षेत्र में बने सेक्टर में आवासीय सुबिधा उपलब्ध है।

लाइक और फॉलोवर्स बढ़ाने के लिए नोएडा के युवक ने फेसबुक पर डाला ऑल आउट पीते हुए वीडियो, अलर्ट के बाद पुलिस पहुंची घर

नोएडा । अपनी पॉपुलैरिटी बढ़ाने और साथ-साथ अपने फेसबुक पेज पर फॉलोअर्स और लाइक की संख्या बढ़ाने के लालच में एक युवक ने इतना बड़ा प्रैंक किया की आधी रात को पुलिस उसके घर पहुंच गई। उसको समझा-बुझाकर उसकी काउंसलिंग कर उसे उसके परिजनों के हवाले किया गया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, फेसबुक पर लाइक और फॉलोअर बढ़ाने के उद्देश्य से आत्महत्या करने संबंधी पोस्ट डालने वाले युवक (20) की सूचना पुलिस को मिली थी। जिसके बाद सोशल मीडिया सेल व थाना फेस-2 पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई कर युवक की तलाश की और काउंसलिंग करने के पश्चात समझा बुझाकर उसे परिजनों के सुपुर्द किया गया। जानकारी के मुताबिक, 25/26 अप्रैल की देर रात्रि करीब 12-45 बजे सोशल मीडिया सेल को डीजीपी मुख्यालय मीडिया सेल से एक वीडियो और मोबाईल नंबर प्राप्त हुए। विडियो में एक युवक उम्र करीब 20 वर्ष द्वारा ऑल आउट (मच्छर मारने का जहरीला द्रव) हाथ में लेकर उसको पीता हुआ देखा जा रहा है। उक्त वीडियो और मोबाईल नंबर प्राप्त होते ही सोशल मीडिया सेल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मोबाइल नंबर की लोकेशन ट्रेस की गई, तो उसकी लोकेशन सेक्टर-87 के आस-पास मिली। जिसपर सोशल मीडिया सेल टीम द्वारा तत्काल थाना प्रभारी फेस-2 को अवगत कराया गया। देर रात्रि होने के कारण थाना फेस 2 पुलिस द्वारा अथक प्रयास करते हुए आसपास करीब 50 से अधिक लोगों से जानकारी करने के बाद पुलिस उस युवक का घर खोज लिया गया। जिसके बाद थाना प्रभारी फेस-2 द्वारा युवक से उपरोक्त पोस्ट करने के संबंध में जानकारी की गई। युवक द्वारा बताया गया की फेसबुक पर लाइक और फॉलोअर बढ़ाने के उद्देश्य से उसके द्वारा रील बनाते हुए ऑल आउट में पानी डालकर पीते हुए एक इमोशनल वीडियो तैयार करके सोशल मीडिया में रील बनाकर डाला गया था।

दिल्ली में सफर करने वालों के लिए महत्वपूर्ण खबर, 28 अप्रैल से 20 दिनों के लिए बंद रहेगा यह पुल

नई दिल्ली। दिल्ली यातायात पुलिस ने कहा कि कुछ मरम्मत कार्य के कारण निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले बारापुल्ला नाला पर पुल का कैरिजवे 28 अप्रैल से 20 दिनों के लिए बंद रहेगा। ट्रैफिक पुलिस ने यात्रियों को 28 अप्रैल से वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी है। ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी में कहा कि नीला गुंबद की तरफ से आने वाले यात्री निक्कू चौक/राजदूत लाल बत्ती के रास्ते निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन तक

पहुंचने के लिए होटल प्रीत पैलेस के पास बाएं मोड़ से निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन की ओर विपरीत कैरिजवे ले सकते हैं। हालांकि, निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन की तरफ से नीला गुंबद आने वाले यात्रियों को मथुरा रोड टी-प्वाइंट पहुंचने के लिए निजामुद्दीन पुलिस चौकी के पास लालबत्ती से दाएं मुड़ना होगा। एडवाइजरी में कहा गया है, फिर नीला गुम्बद की ओर सर्विस रोड पर दाएं मुड़ें और लालबत्ती प्वाइंट से मथुरा रोड के मुख्य कैरिजवे जाने के लिए वाहन को नीला गुम्बद की ओर ले जाएं। यातायात पुलिस ने यात्रियों को असुविधा से बचने के लिए क्षेत्र में तैनात यातायात कर्मियों के निर्देशों का पालन करने की भी सलाह दी है।

चाइल्ड केयर संस्थानों को अपग्रेड करेगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार अपने चाइल्ड केयर संस्थानों को अपग्रेड करेगी। महिला और बाल विकास मंत्री आतिशी ने विभाग के अधिकारियों के साथ इस बाबत समीक्षा बैठक की।

बैठक में आतिशी ने कहा कि चाइल्ड केयर संस्थानों में वे बच्चे आते हैं, जो बहुत ही भयावह अतीत से गुजरे होते हैं। ऐसे बच्चों को अपना अतीत भुलाकर उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने के लिए बहुत जरूरी है कि उन्हें विशेष देखभाल मिले।

इस दिशा में काम करते हुए दिल्ली सरकार अपने चाइल्ड केयर संस्थानों को अपग्रेड करने की दिशा में काम कर रही है। इसके अंतर्गत बच्चों को स्किल व आर्ट आधारित शिक्षा देने का काम किया जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बनें और तनाव मुक्त रहें। साथ ही इन संस्थानों के कर्मचारियों को भी एक्सपर्ट्स द्वारा ट्रेनिंग दी जाएगी, जिससे वे

बच्चों की जरूरतों को बेहतर ढंग से समझें और उनकी बेहतरी के लिए काम कर सकें। उन्होंने कहा कि सरकार अपने चाइल्ड केयर संस्थानों के कर्मचारियों को भी प्रशिक्षित करेगी। उन्हें चाइल्ड केयर संस्थानों में आने वाले बच्चों की जरूरतों को समझने और उनके प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने में मदद करेगी। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में दिल्ली सरकार द्वारा 25 चाइल्ड केयर संस्थान चलाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री आवास के बाहर भाजपा का प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का सिविल लाइन स्थित आवास इस समय सुर्खियों में है। भाजपा नेता कुलजीत चहल के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके आवास पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा का कहना है कि मुख्यमंत्री ने जनता के टैक्स के पैसे का गलत इस्तेमाल किया है।

पार्टी नेताओं का कहना है कि सत्ता में आने से पहले वह कहते थे कि उन्हें इतने बड़े घर की जरूरत नहीं है, वो केवल दो कमरों के फ्लैट में रहेंगे। हालांकि, अब केजरीवाल पर आरोप है कि उन्होंने अपने घर की मरम्मत के नाम पर 44 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इस मामले पर भाजपा के नेता विरोध प्रदर्शन कर उनसे जनता के टैक्स के पैसे जवाब मांग रहे हैं। जानकारी के अनुसार, बड़ी संख्या में भाजपा नेता इकट्ठे होकर मुख्यमंत्री के आवास के पास पहुंचे। पुलिस बल ने बैरिकेड लगाकर प्रदर्शनकारी नेताओं को रोक लिया। इस बीच भाजपा नेताओं ने बीच सड़क पर विरोध प्रदर्शन किया। जब देश की जनता करोना से परेशान थी, तब केजरीवाल अपने मकान की मरम्मत करा रहे थे। मुख्यमंत्री कहते थे कि वह बड़े घर में नहीं रहेंगे। इसी तरह उनके मंत्री और विधायक भी 2

भाजपा नेताओं का आरोप है कि केजरीवाल जनता के पैसों का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं, जो पहले खुद को पाक साफ बताते थे। बड़े घर में रहने का विरोध करते थे, अब केजरीवाल मकान की मरम्मत के नाम पर 44 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। प्रदर्शनकारी नेताओं ने कहा कि कमरों के फ्लैट में रहेंगे, लेकिन अब सभी नेताओं को बड़े-बड़े बंगले दिए गए हैं। भाजपा सांसद विजय गोयल ने कहा कि जनता के पैसों का गलत इस्तेमाल करने के मामले में सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया पहले से ही जेल में है। अब केजरीवाल का जेल जाने का नंबर है।

दिल्ली में रोंगटे खड़े करने वाली घटना: 350 मीटर घिसटने से दोनों पैर और पीठ का उधड़ गया था मांस, हड्डियां भी...

नई दिल्ली। फिरोजशाह रोड पर अनियंत्रित कार द्वारा ई रिक्शा में टक्कर मारने के बाद चालक को करीब 350 मीटर तक घसीटने के मामले में पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा लिखा है। दुर्घटना के पीड़ित युवक मनोज के शरीर को जिस किसी ने भी देखा, उसके रोंगटे खड़े हो गए।

इतनी दूर घिसटने से मनोज के दोनों पैरों के घुटने से नीचे का पूरा मांस घिस गया था। पीठ से भी मांस हट गया था। इससे पैरों व पीठ की हड्डियां दिखाई देने लगी हैं। नई दिल्ली जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कच्ची सराय सक्को वाली गली, मुराद नगर गाजियाबाद यूपी निवासी फरमान अपनी बहन, महिला दोस्त व दोस्त के साथ घूमने गुरुग्राम गया था।

सड़क दुर्घटना के समय ये लोग वापस लौट रहे थे। इसने फिरोजशाह रोड पर रिक्शा को पीछे से जबरदस्त तरीके से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद रिक्शा तो आगे चला गया और मनोज हवा में उछलकर कार के बोनट पर जा गिरा। इसके बाद वह नीचे गिरकर पहिए के नीचे फंस गया। इससे कार टेढ़ी-मेढी चलने लग गई। लेकिन चालक ने कार रोकने के बजाय उसकी गति बढ़ा दी।

परिणामस्वरूप कार के नीचे फंसा मनोज करीब 350 मीटर तक घिसटता रहा। आगे लाइट सिग्नल व ट्रैफिक होने की वजह से उसे कार रोकनी पड़ी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार घिसटने से मनोज के दाहिना पैर के पीछे से और बाएं पैर का आगे की तरफ से व पीठ का मांस पूरी तरह खत्म हो गया।

कोर्ट ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा

एक स्कूटर चालक अपने स्कूटर को कार के साथ दौड़ा कर चिल्लाता रहा, मगर कार चालक ने सुनी नहीं। संसद मार्ग थाना पुलिस ने आरोपी फरमान के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। उसे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आरोपी का कहना है कि सड़क दुर्घटना के बाद वह डर गया था और भागने का प्रयास कर रहा था।

स्विफ्ट कार ने रिक्शे में मारी टक्कर

नई दिल्ली जिला पुलिस उपायुक्त प्रणब तायल ने बताया कि यह सड़क दुर्घटना फिरोजशाह रोड पर मंगलवार देर शाम को हुई। हाउसकीपिंग का काम करने वाला मनोज रिक्शे से मंडी हाउस की तरफ जा रहा था, तभी पीछे से आई तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने मनोज के रिक्शे में टक्कर मार दी।

रिक्शा चालक को 350 मीटर तक घसीटा

चालक फरमान ने कार रोकने की जगह गति बढ़ा दी और मनोज को 350 मीटर तक घसीटते हुए ले गया। मौके पर मौजूद लोगों ने कार को रुकवाया और इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मनोज को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस उपायुक्त का कहना है कि मामला दर्ज कर मुरादनगर गाजियाबाद निवासी फरमान को मौके से गिरफ्तार कर लिया है। उसकी कार को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस को कार से चखना आदि मिला है। माना जा रहा है कि आरोपी ने शराब पी रखी थी।

पहलवानों का प्रदर्शन चौथे दिन भी जारी, नेट बिछाकर सड़क पर की प्रैक्टिस

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान बीते चार दिन से दिल्ली के जंतर मंतर पर अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि इसी बीच धरने पर बैठे पहलवानों ने आज नेट बिछाकर प्रैक्टिस की और दांवपेंच की जोर आजमाइश की। दिल्ली के जंतर मंतर पर भारतीय पहलवानों का धरना अभी भी जारी है, लेकिन इस दौरान वो भी सड़क पर कसरत करते नजर आए। उच्चतम न्यायालय ने भी यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने की मांग कर रहीं सात महिला पहलवानों की याचिका पर मंगलवार को दिल्ली पुलिस और अन्य को नोटिस जारी किया है।

उल्लेखनीय है कि बीते दिन ही पहलवानों को समर्थन देने के लिए हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा, सीपीएम नेता वृंदा करात, कांग्रेस नेता उदित राज भी पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने मांग की है कि जो पहलवानों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। उस पर सरकार की तरफ से कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। पहलवानों के धरना प्रदर्शन का आज चौथा दिन है। तीन रात व खुले आसमान के नीचे गुजार चुके हैं। पहलवानों का भी यही कहना है कि जब तक हमें न्याय नहीं मिलता, तब तक हम यहां से हटने वाले नहीं है और अब तो पहलवानों ने यहां अपनी प्रैक्टिस भी स्टार्ट कर दी है।

दिल्ली पुलिस का नया सर्कुलर जारी, लिखा- 'अदालत को मत बताना तुम असली आईओ नहीं हो!'

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एक नए सर्कुलर में सब इंस्पेक्टर (एसआई) स्तर के पुलिस अधिकारियों को जांच अधिकारी (आईओ) की अनुपस्थिति में अदालत में पेश होने और अदालत को यह नहीं बताने के लिए कहा गया है कि वे वास्तविक आईओ नहीं थे। दिल्ली पुलिस मुख्यालय के आदेश में कहा गया- ऐसे उदाहरण हो सकते हैं जहां संबंधित आईओ सेवानिवृत्त हो गया है, या अनुपलब्ध है। ऐसे सभी मामलों में, जिस एसआई को केस फाइल सौंपी जाएगी, वह सुनवाई की नियत तारीख पर अदालत में उपस्थित होगा। एसएचओ और इंस्पेक्टर (जांच) के लिए यह सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा कि आईओ को मामले के बारे में पर्याप्त रूप से जानकारी दी जाए ताकि वह बदले में अदालत की कार्यवाही से पहले एलडी एएससी/एपीपी को जानकारी दे सके और किसी भी सवाल का जवाब भी दे सके जो सुनवाई के दौरान अदालत उससे पूछना चाहे। आगे लिखा है कि यदि अदालत द्वारा यह रिपोर्ट किया जाता है कि एसआई अदालत को सूचित करता है कि 'वह आईओ नहीं था या मामले से अनजान था', तो डीसीपी उपनिरीक्षक और दो वरिष्ठ निरीक्षकों को निंदा के लिए कारण बताओ नोटिस जारी करेगा। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र के मुताबिक, दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने सभी एसएचओ को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि वे वास्तविक आईओ की अनुपस्थिति में आईओ के रूप में अदालत के समक्ष मामलों का प्रतिनिधित्व करने के लिए नया एसआई उपलब्ध कराएं।

बबिता ने हमें धरने पर बैठने के लिए मजबूर किया और फिर धोखा दिया : पहलवान का आरोप

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ यहां जंतर-मंतर पर धरना दे रहे एक पहलवान ने आरोप लगाया है कि दूसरों की बात क्या करें, हमें हमारी बहन बबिता फोगाट ने ही धोखा दिया है। पहलवान ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'बबिता ने हमें धरने पर बैठने के लिए मजबूर किया। उन्होंने हमसे कहा कि कोई राजनीतिक नेता घटना स्थल पर नहीं आना चाहिए। हमने उनकी हर बात को सुना और सभी नेताओं से कहा कि हमसे मिलने न आएं लेकिन बबिता ने अपने निजी फायदे के लिए सब चीजों का राजनीतिकरण कर दिया। उन्होंने हमारी पीठ पर चाकू मारा और हमें यहां अकेला छोड़ दिया।' उन्होंने कहा, 'न्याय के लिए हमारी लड़ाई में यह सबसे निराशाजनक बात थी लेकिन

हम जानते हैं कि पूरा देश हमारे साथ है और हमारी सच्चाई हमारे साथ है।' इससे पहले दो बार की विश्व चैंपियन विनेश फोगाट ने अपनी चचेरी बहन और भाजपा नेता बबिता की कड़ी आलोचना की। विनेश ने कहा, 'बबिता अपने राजनीतिक करियर को लेकर ज्यादा चिंतित है। उन्हें पहलवानों के हित की कोई चिंता नहीं है।' जनवरी में जब पहलवान पहली बार जंतर मंतर पर धरने पर बैठे थे तब बबिता ने मध्यस्थ की भूमिका निभायी थी। सरकार ने लीजेंड महिला मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम की अध्यक्षता में एक निगरानी समिति गठित की थी जो पहलवानों के आरोपों की जांच करेगी। बबिता को प्रदर्शनकारी पहलवानों के जोर देने पर इस समिति में शामिल किया गया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट पांच अप्रैल को सौंप दी थी। मीडिया रिपोर्टें के अनुसार समिति ने बृज भूषण को क्लीन चिट दे दी थी। हालांकि पहलवानों के ताजा प्रदर्शन के बाद सरकार को मामले पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है और मामले को सुलझाने के लिए जल्द फैसला लेना पड़ सकता है।

दिल्ली सरकार ने पशुओं की बेहतरी के लिए किया पशु कल्याण बोर्ड का गठन- गोपाल राय

नई दिल्ली।दिल्ली के विकास मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में पशुपालन विभाग के अधिकारियों के साथ दिल्ली सचिवालय में समीक्षा बैठक की गई। बैठक के बाद विकास मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली में पशुओं की बेहतरी के लिए दिल्ली पशु कल्याण बोर्ड का गठन किया गया है।

19 वर्गों में विभाजित कुल 27 सदस्य पशु कल्याण बोर्ड में शामिल किए गए है। यह बोर्ड दिल्ली में पशुओं के प्रति होने वाली क्रूरता की रोकथाम, देखरेख आदि के लिए कार्य करेगी। इसके साथ ही दिल्ली के प्रत्येक जिले में पशु कल्याण कार्यो में शामिल संगठनो को वित्तीय और तकनिकी सहायता भी बोर्ड द्वारा प्रदान की जाएगी। इसके साथ साथ दिल्ली के पहले पशु चिकित्सा कॉलेज के निर्माण कार्य में भी तेजी लाने के निर्देश जारी किए गए है। पशु चिकित्सा कॉलेज का निर्माण दिल्ली के सतबरी में 56 एकड़ में किया जाएगा।

राय ने बताया कि दिल्ली सरकार दिल्लीवासियों के साथ साथ दिल्ली में रहने वाले पशुओ के कल्याण के लिए कार्य करने में भी हमेशा कृतसंकल्प रही है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए दिल्ली में पशुओं की बेहतरी के लिए पशु कल्याण बोर्ड का गठन किया गया है।पशु कल्याण बोर्ड दिल्ली में पशुओ के प्रति क्रूरता की रोकथाम ,देखरेख आदि के लिए कार्य करेगा। साथ ही दिल्ली के 11 जिलों में पशु कल्याण कार्यो में शमिल संगठनो / निकायों को दिशानिर्देशों सहित वित्तीय

और तकनीकी सहायता भी प्रदान करेगा। इसके लिए यह बोर्ड शासन निकाय के रूप में कार्यरत रहेगा। 19 वर्गों में विभाजित 27 सदस्यों के इस पशु कल्याण बोर्ड में दिल्ली विधानसभा के विधायक , राज्य में पशु कल्याण कार्यो में सक्रिय रूप से कार्यरत लोग , सम्बंधित विभाग के उच्च अधिकारी ,एसपीसीए ,गौशालाओ और भारतीय पशु कल्याण बोर्ड के प्रतिनिधि शामिल किए गए है। उन्होंने बताया कि यह बोर्ड पशु कल्याण से संबंधित कानूनों का दिल्ली में सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने और इस कार्य से जुड़ी संस्थाओं की मदद करने का कार्य करेगा।

दिल्ली के पहले सरकारी पशु चिकित्सा कॉलेज के निर्माण की तैयारियां हुई तेज :

राय ने आगे बताया कि पशु चिकित्सा विज्ञान आने वाले समय की एक बड़ी आवश्यकता है क्योंकि यह न केवल मवेशियों और घरेलू जानवरों के स्वास्थ्य की रक्षा करता है, बल्कि जूनोटिक रोगों की जांच और नियंत्रण करके मानव स्वास्थ्य की भी रक्षा करता है।

दिल्ली में बड़ी संख्या में पालतू जानवर हैं जिन्हें स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकता होती है। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए और सभी प्रकार के जानवरों के बेहतर उपचार के लिए शहर के पहले सरकारी पशु चिकित्सा कॉलेज के निर्माण का कार्य शुरू हो चुका है। इसके निर्माण कार्य के पूरे होते ही दिल्ली में भी अपना पहला सरकारी पशु चिकित्सा कॉलेज होगा। आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं से लैस होने वाले इस कॉलेज का निर्माण दिल्ली के सतबरी में करीबन 56 एकड़ के क्षेत्रफल में किया जाएगा।

एफआईआर दर्ज न करने वाले पुलिस अधिकारियों पर एफआईआर हो : स्वाति मालीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने मांग की है कि महिला रेसलर की यौन शोषण की शिकायत के बावजूद एफआईआर दर्ज न करने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाए। विशेष पुलिस आयुक्त (महिला सुरक्षा) को लिखे पत्र में स्वाति मालीवाल ने कहा कि यह काफी गंभीर मामला है।

पांच दिन पहले शिकायत किए जाने के बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं की जा रही है। पुलिस अधिकारियों को इस मामले की जांच करनी चाहिए कि आखिर क्या कारण है कि लिखित शिकायत के बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं की जा रही है।

मालीवाल ने कहा कि इस बीच आयोग को महिला रेसलरों की एक और शिकायत मिली है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि एक द्रोणाचार्य अवॉर्डी कोच और हरियाणा रेसलिंग एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी शिकायत करने वाली महिला कोच को और उनके घर वालों को फोन करके धमकी दे रहे हैं। मालीवाल ने कहा कि रेसलर फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दिए जाने के बावजूद पुलिस ने एफआईआर दर्ज

नहीं की है। यह गंभीर मामला है कि पीड़िता की शिकायत के बावजूद पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

डीसीडब्ल्यू ने कहा कि बृजभूषण सिंह के खिलाफ कई लड़कियों ने यौन शोषण की शिकायत की है, इनमें एक नाबालिग लड़की भी शामिल है। इन सभी रेसलर ने बृजभूषण सिंह के रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रहने के दौरान योग शोषण किए जाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द महिला रिश्वत की शिकायत पर आईपीसी और पोक्सो के तहत मामला दर्ज करना चाहिए। इसके साथ ही उन अफसरों पर भी कार्रवाई की जानी चाहिए जिन्होंने अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की है।

मालीवाल ने कहा है कि पीड़ित रेसलर ने आयोग को बताया कि 21 अप्रैल को उन्होंने कनॉट प्लेस थाने में बृजभूषण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दी थी, लेकिन उस पर कार्रवाई नहीं की गई। 22 अप्रैल को जब पीड़िता ने फोन कर

पुलिस अधिकारियों को इस मामले की जांच करनी चाहिए कि आखिर क्या कारण है कि लिखित शिकायत के बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं की जा रही है।

एसएचओ से एफआईआर दर्ज करने के बारे में जानकारी लेनी चाही तो उन्होंने कहा कि अभी शिकायत पर सोमवार के बाद ही कोई कार्रवाई होगी। एसएचओ ने कहा कि इसकी कोई गारंटी नहीं है कि सोमवार को एफआईआर दर्ज की जाएगी, थाने में शिकायत देने के बाद से ही स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट में तैनात एक आईपीएस की ओर से पीड़ितों के घरवालों को फोन आने लगे हैं और उन्हें परेशान किया जाने लगा है।

दिल्ली पुलिस में बड़े पैमाने पर थानाध्यक्षों का फेरबदल, 52 थानाध्यक्ष बदले

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस में थानाध्यक्षों का बड़े पैमाने पर फेरबदल किया गया है। 52 थानाध्यक्ष बदले गए हैं, जिनमें 10 थानों के थानाध्यक्षों को दोबारा जिम्मेदारी सौंपी गई है। कई ऐसे भी इंस्पेक्टरों को थानाध्यक्ष बनाया गया है, जो पहले थानाध्यक्ष रह चुके हैं। इससे साफ है कि अब फिर से दिल्ली पुलिस में अनुभवी इंस्पेक्टरों को थानाध्यक्ष बनाने का सिलसिला शुरू हो गया है।

इस बार स्पेशल सेल में तैनात छह इंस्पेक्टरों को थानाध्यक्ष बनाने से महकमे में इसको लेकर सबसे अधिक चर्चा है। ऐसा पहली बार हुआ है। पूर्व पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने कार्यभार ग्रहण करने के कुछ समय बाद ही ऐसे थानाध्यक्षों के तबादले किए थे, जो एक से अधिक बार थानाध्यक्ष बन चुके थे। उन्होंने अधिकतर थानों में ऐसे इंस्पेक्टरों को थानाध्यक्ष नियुक्त किया है, जो पहले कभी थानाध्यक्ष नहीं रहे थे। नियुक्ति से पहले इन इंस्पेक्टरों के साक्षात्कार नहीं लिए गए। इसकी प्रतिकूल असर यह पड़ा था कि छह माह बाद ही बड़ी संख्या में कई थानाध्यक्षों ने मुख्यालय में पेश होकर थानाध्यक्ष पद से हटाने के लिए आवेदन किया। वर्तमान पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा के कार्यकाल में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में थानाध्यक्षों के तबादले किए गए हैं। नियुक्ति के लिए मुख्यालय में पिछले सितंबर से इंस्पेक्टरों के साक्षात्कार लेने का सिलसिला शुरू किया गया। पहले 1994-1995 बैच फिर 1996-1997 बैच के इंस्पेक्टरों के साक्षात्कार लिए गए। साक्षात्कार की वीडियोग्राफी भी कराई गई, ताकि पास होने के बावजूद थानाध्यक्ष न नियुक्त होने पर वह पुलिस आयुक्त के पास अपील कर सके। विशेष आयुक्त एचआर आरएस कृष्णैया को चयन कमेटी का चेयरमैन बनाया गया। लंबे समय तक साक्षात्कार चलने और थानाध्यक्षों की लिस्ट आने में देरी होने पर महकमे में तरह-तरह की चर्चा होती रही।